Azadi Ka Amrit Mahotsav

Mentorship India

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

365 दिन

UPSC प्रिपरेशन नेविगेटर

(व्यक्तिगत परामर्श)

प्रस्तावना

कोई भी परीक्षा जीतने की रणनीति के माध्यम से उत्तीर्ण की जाती है और यह रणनीति परीक्षा प्रक्रिया में पूरी तरह से शामिल होने के माध्यम से तैयार की जाती है। केवल गंभीरता ही आपके अवलोकन, धारणा, निष्कर्ष और पूर्णता को तेज कर सकती है। ऑनलाइन और ऑफलाइन सामग्री की प्रचुरता में, आपको यह तय नहीं करना है कि क्या पढ़ना है, बल्कि आपको यह तय करना है: **क्या नहीं पढ़ना है!** एक बार यह हासिल हो जाए तो सिविल सेवा परीक्षा आसान हो जाती है। लेकिन इस केकवॉक में आपको और आपके व्यक्तिगत गुरु दोनों को अत्यधिक मेहनत करनी पड़ेगी। इसलिए, एक ईमानदार और गंभीर भागीदारी आवश्यक है।

इस प्रक्रिया के लिए काफी प्रयासों की आवश्यकता है:-

अधिक देखना और याद रखना > क्या पढ़ना है और क्या नहीं पढ़ना है इसकी योजना बनाना। > नियमित कार्यान्वयन > अभ्यास परीक्षण एवं उत्तर लेखन > चयन या पुनरारंभ करें

पाठ्यक्रम और PYQS :-

Mentorship India में, हम तैयारी से अधिक परिवर्तन में विश्वास करते हैं। हमारा मंच देश भर में यूपीएस-सी के उम्मीदवारों को अद्वितीय मेंटरशिप और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए समर्पित है, चाहे उनकी तैयारी का स्तर कुछ भी हो।
हमारा मिशन स्पष्ट है - भारत में सर्वोत्तम परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान करके उत्कृष्टता का पोषण करना और सफलता को बढ़ावा देना। इसीलिए हमने एक समग्र दृष्टिकोण तैयार किया है जो पारंपरिक कोचिंग से परे है। हम न केवल परीक्षा में बल्कि जीवन में भी उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए उम्मीदवारों को सही उपकरण, ज्ञान और समर्थन के साथ सशक्त बनाकर उत्कृष्टता का पोषण करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

Mentorship India अभ्यर्थियों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कई सेवाएँ प्रदान करके आगे बढ़ता है: -

S.No.	Mentorship Strategy Tools	Page No.
1.	परीक्षा की प्रक्रिया एवं पाठ्यक्रम	3
2.	वैयक्तिकृत परामर्श	12
3.	दैनिक गतिविधि ट्रैकर (DAT)	15
4.	अभ्यर्थी की प्रदर्शन रिपोर्ट (एपीआर)	21
5.	हम मुफ़्त में क्या दे रहे हैं?	24
6.	मानसिक स्वास्थ्य सहायता (24x7)	26
7.	सीएसएटी पेपर-2	29
8.	प्रीलिम्स टेस्ट सीरीज़ (प्रश्नों के अंदर पढ़ना)	32
9.	यूपीएससी मेन्स उत्तर लेखन को बढ़ाना	36
10.	मेंटरशिप इंडिया द्वारा प्रस्तुत अध्ययन सामग्री	40

अभ्यर्थियों को सशक्त बनाना, जीवन बदलना - Mentorship India!

परीक्षा की प्रक्रिया एवं पाठ्यक्रम

UPSC सिविल सेवा परीक्षा

सभी परीक्षाओं की जननी

सिविल सेवा परीक्षा भारत सरकार की विभिन्न सेवाओं में उम्मीदवारों की भर्ती के लिए यूपीएससी (संघ लोक सेवा आयोग) द्वारा आयोजित भारत में एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और व्यापक परीक्षा है। परीक्षा प्रक्रिया व्यापक है और आम तौर पर वस्तुनिष्ठ प्रकार की प्रारंभिक परीक्षा सहित पूरे एक वर्ष तक चलती है। प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा देंगे, जो वर्णनात्मक प्रकृति की है। मुख्य परीक्षा के बाद, उम्मीदवारों को साक्षात्कार (व्यक्तित्व परीक्षण) प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है; जिसके बाद, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार में उम्मीदवार के प्रदर्शन के आधार पर अंतिम मेरिट सूची तैयार की जाती है।

(10 लाख उम्मीदवार)

PRELIMINARY EXAMINAION

- **पेपर 1**
  (200 अंक)
- **पेपर 2** CSAT
  (QUALIFYING - 33%)
  (200 अंक)

(10 हज़ार उम्मीदवार)

MAIN EXAMINATION

(1750 Marks)

Language पेपर
(QUALIFYING- 25%)
(300 अंक प्रत्येक)

- भारतीय भाषा (पेपर A)
- अंग्रेज़ी भाषा (पेपर B)

Essay पेपर
(250 अंक)

- पेपर 1

GS पेपर
(250 अंक प्रत्येक)

- पेपर 2 (GS 1)
- पेपर 3 (GS 2)
- पेपर 4 (GS 3)
- पेपर 5 (GS 4)

Optional पेपर
(250 अंक प्रत्येक)

- PAPER 6 (Optional 1)
- PAPER 7 (Optional 2)

(3 हज़ार उम्मीदवार)

INTERVIEW

(275 अंक)

= 2025 अंक

(900 से 1000 उम्मीदवार)

Recommended / Final Selection

परीक्षा का पाठ्यक्रम

भाग - ए (प्रारंभिक परीक्षा)
(Preliminary Examination)

पेपर - I

1. राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की सामयिक घटनाएँ।
2. भारत का इतिहास और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन।
3. भारत एवं विश्व का भूगोल : भारत एवं विश्व का प्राकृतिक, सामाजिक, आर्थिक भूगोल
4. भारतीय राज्यतंत्र और शासन- संविधान, राजनीतिक प्रणाली, पंचायती राज, लोकनीति, अधिकारों संबंधी मुद्दे इत्यादि।
5. आर्थिक और सामाजिक विकास - सतत् विकास, गरीबी, समावेशन, जनसांख्यिकी, सामाजिक क्षेत्र में की गई पहल आदि।
6. पर्यावरणीय पारिस्थितिकी, जैव-विविधता और जलवायु परिवर्तन संबंधी सामान्य मुद्दे, जिनके लिये विषयगत विशेषज्ञता आवश्यक नहीं है।
7. सामान्य विज्ञान।

पेपर - II CSAT

1. बोधगम्यता
2. संचार कौशल सहित अंतर-वैयक्तिक कौशल
3. तार्किक कौशल एवं विश्लेषणात्मक क्षमता
4. निर्णय लेना और समस्या समाधान
5. सामान्य मानसिक योग्यता
6. आधारभूत संख्यन (संख्याएँ और उनके संबंध, विस्तार-क्रम आदि) (दसवीं कक्षा का स्तर);
7. आँकड़ों का निर्वचन (चार्ट, ग्राफ, तालिका, आँकड़ों की पर्याप्तता आदि- दसवीं कक्षा का स्तर)
8. दसवीं कक्षा स्तर के अंग्रेजी भाषा समझ कौशल से संबंधित प्रश्न। (हिंदी अनुवाद प्रदान किए बिना केवल अंग्रेजी भाषा के अंशों के माध्यम से परीक्षण किया जाएगा)

भाग-बी मुख्य परीक्षा (Main Examination)

भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी पर क्वालीफाइंग पेपर्स

पेपर का उद्देश्य उम्मीदवारों की गंभीर विवेचनात्मक गद्य को पढ़ने और समझने की क्षमता का परीक्षण करना और संबंधित अंग्रेजी और भारतीय भाषा में अपने विचारों को स्पष्ट और सही ढंग से व्यक्त करना है।

1) **भारतीय भाषा/ पेपर ए –** अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, सिक्किम, मणिपुर, मिजोरम और मेघालय के उम्मीदवारों को छोड़कर सभी उम्मीदवारों के लिए अनिवार्य। उम्मीदवारों को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषाओं में से एक भारतीय भाषा का चयन करना होगा।

प्रश्नों का पैटर्न मोटे तौर पर निम्नानुसार होगा:

(i) दिए गए अनुच्छेदों की समझ।

(ii) सटीक लेखन।

(iii) उपयोग और शब्दावली।

(iv) लघु निबंध।

(v) अंग्रेजी से भारतीय भाषा में अनुवाद और इसके विपरीत।

2) **अंग्रेजी भाषा/ पेपर बी – सभी उम्मीदवारों के लिए अनिवार्य।**
प्रश्नों का पैटर्न आमतौर पर इस प्रकार होगा:

(i) दिए गए अनुच्छेदों की समझ।

(ii) सटीक लेखन।

(iii) उपयोग और शब्दावली।

(iv) संक्षिप्त निबंध।

नोट: भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी के पेपर मैट्रिकुलेशन या समकक्ष मानक के होंगे और केवल योग्यता प्रकृति (25%) के होंगे। इन पेपरों में प्राप्त अंकों को रैंकिंग के लिए नहीं गिना जाएगा।

मुख्य पेपर-1 (निबंध पेपर)

अभ्यर्थियों को कई विषयों पर निबंध लिखने की आवश्यकता हो सकती है। उनसे अपेक्षा की जाएगी कि वे अपने विचारों को क्रमबद्ध तरीके से व्यवस्थित करने और संक्षेप में लिखने के लिए निबंध के विषय पर बारीकी से ध्यान दें। प्रभावी एवं सटीक अभिव्यक्ति का श्रेय दिया जायेगा।

(i) अर्थव्यवस्था/भारतीय और भारत विषय (iii) अंतरराष्ट्रीय मुद्दे

(ii) भारतीय लोकतंत्र, समाज, संस्कृति, मानसिकता (iv) उद्धरण आधारित/दार्शनिक

(iv) विज्ञान और तकनीक

मुख्य पेपर - 2

सामान्य अध्ययन - 1

(भारतीय विरासत एवं संस्कृति, विश्व का इतिहास एवं भूगोल एवं समाज)

भारतीय संस्कृति:

· प्राचीन काल से आधुनिक काल तक के कला के रूप, साहित्य और वास्तुकला के मुख्य पहलू

आधुनिक भारतीय इतिहास:

· 18वीं सदी के लगभग मध्य से लेकर वर्तमान समय तक का आधुनिक भारतीय इतिहास- महत्त्वपूर्ण घटनाएँ, व्यक्तित्व, विषय।

· स्वतंत्रता संग्राम- इसके विभिन्न चरण और देश के विभिन्न भागों से इसमें अपना योगदान देने वाले महत्त्वपूर्ण व्यक्ति / उनका योगदान, स्वतंत्रता के पश्चात् देश के अंदर एकीकरण और पुनर्गठन ।

विश्व के इतिहास:

· विश्व के इतिहास में 18वीं सदी तथा बाद की घटनाएँ यथा औद्योगिक क्रांति, विश्व युद्ध, राष्ट्रीय सीमाओं का पुनः सीमांकन, उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद की समाप्ति, राजनीतिक दर्शन जैसे साम्यवाद, पूंजीवाद, समाजवाद आदि शामिल होंगे, उनके रूप और समाज पर उनका प्रभाव ।

भारतीय समाज:

· भारतीय समाज की मुख्य विशेषताएँ, भारत की विविधता । महिलाओं की भूमिका और महिला संगठन,
· जनसंख्या एवं संबद्ध मुद्दे,
· गरीबी और विकासात्मक विषय,
· शहरीकरण, उनकी समस्याएँ और उनके रक्षोपाय ।
· भारतीय समाज पर भूमंडलीकरण का प्रभाव।
· सामाजिक सशक्तीकरण, संप्रदायवाद, क्षेत्रवाद और धर्मनिरपेक्षता ।

भारत और विश्व का भूगोल:

· विश्व के भौतिक भूगोल की मुख्य विशेषताएँ ।
· विश्व भर के मुख्य प्राकृतिक संसाधनों का वितरण (दक्षिण एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप को शामिल करते हुए), विश्व (भारत सहित) के विभिन्न भागों में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र के उद्योगों को स्थापित करने के लिये ज़िम्मेदार कारक |
· भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखीय हलचल, चक्रवात आदि जैसी महत्त्वपूर्ण भू- भौतिकीय घटनाएँ, भौगोलिक विशेषताएँ और उनके स्थान
· अति महत्त्वपूर्ण भौगोलिक विशेषताओं (जल स्रोत और हिमावरण सहित) वनस्पति एवं प्राणिजगत में परिवर्तन और इस प्रकार के परिवर्तनों के प्रभाव ।

मुख्य परीक्षा - 3 - सामान्य अध्ययन - 2

(शासन, संविधान, राज्य व्यवस्था, सामाजिक न्याय और अंतर्राष्ट्रीय संबंध) भारतीय संविधान

भारतीय संविधान:

- भारतीय संविधान- ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएँ, संशोधन, महत्त्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना ।
- संघ एवं राज्यों के कार्य तथा उत्तरदायित्व, संघीय ढाँचे से संबंधित विषय एवं चुनौतियाँ, स्थानीय स्तर पर शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण और उसकी चुनौतियाँ |
- विभिन्न घटकों के बीच शक्तियों का पृथक्करण, विवाद निवारण तंत्र तथा संस्थान |
- भारतीय संवैधानिक योजना की अन्य देशों के साथ तुलना ।

भारतीय शासन व्यवस्था:

- संसद और राज्य विधायिका संरचना, कार्य, कार्य संचालन, शक्तियाँ एवं विशेषाधिकार और इनसे उत्पन्न होने वाले विषय ।
- कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्य- सरकार के मंत्रालय एवं विभाग, प्रभावक समूह.
- औपचारिक/अनौपचारिक संघ तथा शासन प्रणाली में उनकी भूमिका जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य विशेषताएँ ।
- विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति और विभिन्न संवैधानिक निकायों की शक्तियाँ, कार्य और उत्तरदायित्व ।
- सांविधिक, विनियामक और विभिन्न अर्द्ध-न्यायिक निकाय ।
- सरकारी नीतियों और विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिये हस्तक्षेप और उनके अभिकल्पन तथा कार्यान्वयन के कारण उत्पन्न विषय |
- विकास प्रक्रिया तथा विकास उद्योग- गैर-सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, विभिन्न समूहों और संघों, दानकर्ताओं, लोकोपकारी संस्थाओं, संस्थागत एवं अन्य पक्षों की भूमिका |

सामाजिक न्याय:

- केन्द्र एवं राज्यों द्वारा जनसंख्या के अति संवेदनशील वर्गों के लिये कल्याणकारी योजनाएँ और इन योजनाओं का कार्य-निष्पादन; इन अति संवेदनशील वर्गों की रक्षा एवं बेहतरी के लिये गठित तंत्र, विधि, संस्थान एवं निकाय ।
- स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधनों से संबंधित सामाजिक क्षेत्र / सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित विषय ।
- गरीबी एवं भूख से संबंधित विषय ।

शासन प्रणाली:

- शासन व्यवस्था, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्त्वपूर्ण पक्ष, ई-गवर्नेंस - अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएँ, सीमाएँ और संभावनाएँ; नागरिक चार्टर, पारदर्शिता एवं जवाबदेही और संस्थागत तथा अन्य उपाय। लोकतंत्र में सिविल सेवाओं की भूमिका ।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

- भारत एवं इसके पड़ोसी संबंध ।
- द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और भारत से संबंधित और/अथवा भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार ।
- भारत के हितों पर विकसित तथा विकासशील देशों की नीतियों तथा राजनीति का प्रभाव; प्रवासी भारतीय ।
- महत्त्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, संस्थाएँ और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश ।

मुख्य पेपर - 4 - सामान्य अध्ययन - 3

(प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन)

भारतीय अर्थव्यवस्था:

· भारतीय अर्थव्यवस्था तथा योजना, संसाधनों को जुटाने, प्रगति, विकास तथा रोज़गार से संबंधित विषय ।
· समावेशी विकास तथा इससे उत्पन्न विषय | सरकारी बजट।
· मुख्य फसलें- देश के विभिन्न भागों में फसलों का पैटर्न - सिंचाई के विभिन्न प्रकार एवं सिंचाई प्रणाली - कृषि उत्पाद का भंडारण,
· परिवहन तथा विपणन, संबंधित विषय और बाधाएँ: किसानों की सहायता के लिये ई-प्रौद्योगिकी |
· प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कृषि सहायता तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य से संबंधित विषय; जन वितरण प्रणाली- उद्देश्य, कार्य, सीमाएँ, सुधार; बफर स्टॉक तथा खाद्य सुरक्षा संबंधी विषय; प्रौद्योगिकी मिशन; पशु पालन संबंधी अर्थशास्त्र ।
· भारत में खाद्य प्रसंस्करण एवं संबंधित उद्योग कार्यक्षेत्र एवं महत्त्व, स्थान, ऊपरी और नीचे की अपेक्षाएँ, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन ।
· भारत में भूमि सुधार ।
· उदारीकरण का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन तथा औद्योगिक विकास पर इनका प्रभाव।
· बुनियादी ढाँचाः ऊर्जा, बंदरगाह, सड़क, विमानपत्तन, रेलवे आदि। निवेश मॉडल।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी:

· विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी- विकास एवं अनुप्रयोग और रोज़मर्रा के जीवन पर इसका प्रभाव।
· विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ देशज रूप से प्रौद्योगिकी का विकास और नई प्रौद्योगिकी का विकास।
· सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-टेक्नोलॉजी, बायो- टैक्नोलॉजी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित विषयों के संबंध में जागरुकता।

जैव विविधता, पर्यावरण:

· संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण, पर्यावरण प्रभाव का आकलन ।

आंतरिक सुरक्षा:

· विकास और फैलते उग्रवाद के बीच संबंध ।
· आंतरिक सुरक्षा के लिये चुनौती उत्पन्न करने वाले शासन विरोधी तत्त्वों की भूमिका |
· संचार नेटवर्क के माध्यम से आंतरिक सुरक्षा को चुनौती, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों में मीडिया और सामाजिक नेटवर्किंग साइटों की भूमिका, साइबर सुरक्षा की बुनियादी बातें, धन शोधन और इसे रोकना।
· सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ एवं उनका प्रबंधन- संगठित अपराध और आतंकवाद के बीच संबंध |
· विभिन्न सुरक्षा बल और संस्थाएँ तथा उनके अधिदेश ।

आपदा प्रबंधन:

· आपदा और आपदा प्रबंधन।

मुख्य पेपर - 5

सामान्य अध्ययन - 4

(नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि)

इस पेपर में सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी, सत्यनिष्ठा से संबंधित मुद्दों पर उम्मीदवारों के दृष्टिकोण और दृष्टिकोण और समाज के साथ व्यवहार में उनके सामने आने वाले विभिन्न मुद्दों और संघर्षों के प्रति उनके समस्या निवारण दृष्टिकोण का परीक्षण करने के लिए प्रश्न शामिल होंगे। प्रश्न इन पहलुओं को निर्धारित करने के लिए केस स्टडी दृष्टिकोण का उपयोग कर सकते हैं। निम्नलिखित व्यापक क्षेत्रों को कवर किया जाएगा:

नीतिशास्त्र तथा मानवीय सह-संबंध:

· मानवीय क्रियाकलापों में नीतिशास्त्र का सार तत्त्व, इसके निर्धारक और परिणाम; नीतिशास्त्र के आयाम;

· निजी और सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र, मानवीय मूल्य महान नेताओं, सुधारकों और प्रशासकों के जीवन तथा उनके उपदेशों से शिक्षा;

· मूल्य विकसित करने में परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका ।

अभिवृत्ति:

· सारांश (कंटेन्ट), संरचना, वृत्ति; विचार तथा आचरण के परिप्रेक्ष्य में इसका प्रभाव एवं संबंध; नैतिक और राजनीतिक अभिरुचि; सामाजिक प्रभाव और धारण।

· सिविल सेवा के लिये अभिरुचि तथा बुनियादी मूल्य- सत्यनिष्ठा, भेदभाव रहित तथा गैर-तरफदारी, निष्पक्षता, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण भाव, कमज़ोर वर्गों के प्रति सहानुभूति, सहिष्णुता तथा संवेदना।

भावनात्मक समझ:

· अवधारणाएँ तथा प्रशासन और शासन व्यवस्था में उनके उपयोग और प्रयोग। भारत तथा विश्व के नैतिक विचारकों तथा दार्शनिकों के योगदान ।

लोक प्रशासन में लोक / सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्र:

· स्थिति तथा समस्याएँ; सरकारी तथा निजी संस्थानों में नैतिक चिंताएँ तथा दुविधाएँ;

· नैतिक मार्गदर्शन के स्रोतों के रूप में विधि, नियम, विनियम तथा अंतरात्मा; उत्तरदायित्व तथा नैतिक शासन, शासन व्यवस्था में नीतिपरक तथा नैतिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण;

· अंतर्राष्ट्रीय संबंधों तथा निधि व्यवस्था (फंडिंग) में नैतिक मुद्दे; कॉरपोरेट शासन व्यवस्था ।

शासन व्यवस्था में ईमानदारी:

· लोक सेवा की अवधारणा;

· शासन व्यवस्था और ईमानदारी का दार्शनिक आधार, सरकार में सूचना का आदान-प्रदान और पारदर्शिता,

· सूचना का अधिकार,

· नीतिपरक आचार संहिता, आचरण संहिता,

· नागरिक घोषणा पत्र,

· कार्य संस्कृति, सेवा प्रदान करने की गुणवत्ता, लोक निधि का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियाँ।

केस स्टडीज़:

· उपर्युक्त विषयों पर मामला संबंधी अध्ययन (केस स्टडीज़)

मुख्य पेपर - 6 : वैकल्पिक पेपर - 1

मुख्य पेपर - 7 : वैकल्पिक पेपर - 2

वैकल्पिक विषयों की सूची:

- इतिहास
- भूगोल
- अर्थशास्त्र
- वनस्पति विज्ञान
- कानून
- कृषि
- समाज शास्त्र
- कॉमर्स
- जीव विज्ञानं
- एंथ्रोपोलॉजी
- मनोविज्ञान
- भूविज्ञान
- रसायन विज्ञान
- गणित
- प्रबंधन
- भौतिक विज्ञान
- राजनीति विज्ञान
- चिकित्सा विज्ञान
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- सिविल इंजीनियरिंग
- लोक प्रशासन
- दर्शन
- पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विज्ञान
- सांख्यिकी
- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

निम्नलिखित भाषाओं में से किसी एक का साहित्य: असमिया, बंगाली, बोडो, डोगरी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, संथाली, सिंधी, तमिल, तेलुगु, उर्दू और अंग्रेजी।

साक्षात्कार परीक्षण:

उम्मीदवार का साक्षात्कार एक बोर्ड द्वारा किया जाएगा जिसके सामने उसके करियर का रिकॉर्ड होगा। उनसे सामान्य हित के मामलों पर सवाल पूछे जाएंगे. साक्षात्कार का उद्देश्य सक्षम और निष्पक्ष पर्यवेक्षकों के एक बोर्ड द्वारा सार्वजनिक सेवा में करियर के लिए उम्मीदवार की व्यक्तिगत उपयुक्तता का आकलन करना है। परीक्षण का उद्देश्य उम्मीदवार की मानसिक क्षमता का आकलन करना है।

मोटे तौर पर यह वास्तव में न केवल उनके बौद्धिक गुणों बल्कि सामाजिक गुणों और समसामयिक मामलों में उनकी रुचि का भी आकलन है। परखे जाने वाले कुछ गुण हैं मानसिक सतर्कता, आत्मसात करने की आलोचनात्मक शक्तियाँ, स्पष्ट और तार्किक व्याख्या, निर्णय का संतुलन, रुचि की विविधता और गहराई, सामाजिक सामंजस्य और नेतृत्व की क्षमता, बौद्धिक और नैतिक अखंडता।

साक्षात्कार की तकनीक कड़ी जिरह की नहीं है, बल्कि एक प्राकृतिक, हालांकि निर्देशित और उद्देश्यपूर्ण बातचीत है जिसका उद्देश्य उम्मीदवार के मानसिक गुणों को प्रकट करना है।
साक्षात्कार परीक्षा का उद्देश्य उम्मीदवारों के विशिष्ट या सामान्य ज्ञान का परीक्षण करना नहीं है, जिसका परीक्षण पहले ही उनके लिखित पेपर के माध्यम से किया जा चुका है। अभ्यर्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे न केवल अकादमिक अध्ययन के अपने विशेष विषयों में बल्कि अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर उनके आसपास होने वाली घटनाओं के साथ-साथ विचार की आधुनिक धाराओं और नई खोजों में भी बुद्धिमानी से रुचि लें। सुशिक्षित युवाओं की जिज्ञासा जगानी चाहिए।

रैंकिंग और सेवा आवंटन:

अंतिम रैंकिंग सफल उम्मीदवारों के लिए सेवा आवंटन निर्धारित करती है। शीर्ष रैंक वाले उम्मीदवारों को विभिन्न सिविल सेवाओं जैसे आईएएस (भारतीय प्रशासनिक सेवा), आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा), आईएफएस (भारतीय विदेश सेवा), आदि में से उनकी पसंदीदा पसंद मिलती है।

प्रशिक्षण:

सफल उम्मीदवारों को मसूरी में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) में फाउंडेशन कोर्स से गुजरना आवश्यक है। इसके बाद उम्मीदवारों द्वारा चुनी गई विशिष्ट सेवाओं की संबंधित अकादमियों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

वैयक्तिकृत (बहुस्तरीय)
UPSC मेंटरशिप

चाहे आप पहली बार आकांक्षी हों और मार्गदर्शन की तलाश में हों या अपनी तैयारी के किसी विशिष्ट पहलू को बढ़ाने की तलाश में हों, हमारा व्यक्तिगत (बहु-स्तरीय) दृष्टिकोण सभी को पूरा करता है।

मेंटरशिप इंडिया में, हम प्रत्येक इच्छुक सिविल सेवक को अनुरूप मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करके परीक्षा की तैयारी के पारंपरिक दृष्टिकोण को फिर से परिभाषित करते हैं। हमारे कार्यक्रम की आधारशिला हमारे विशेषज्ञ सलाहकारों से प्राप्त व्यक्तिगत ध्यान में निहित है, जो यूपीएससी यात्रा की जटिलताओं को सफलतापूर्वक पार करने के बाद अनुभव का खजाना लेकर आते हैं। ये सलाहकार सिर्फ प्रशिक्षक नहीं हैं; वे इस चुनौतीपूर्ण लेकिन लाभप्रद रास्ते पर आपके साथी हैं, जो आपको सफलता की ओर ले जाने के लिए अंतर्दृष्टि, रणनीतियाँ और अटूट समर्थन प्रदान करते हैं।

कोचिंग को कहें ना:

हमारे व्यक्तिगत परामर्श कार्यक्रम के मूल में यूपीएससी उम्मीदवारों के सामने आने वाली विशिष्ट चुनौतियों को समझने और उनका समाधान करने की प्रतिबद्धता है। हमारा मानना है कि जब यूपीएससी आईएएस परीक्षा की विविधतापूर्ण और मांग वाली प्रकृति की बात आती है तो एक आकार-सभी के लिए फिट दृष्टिकोण सर्वोत्तम परिणाम नहीं देता है। इसलिए, हम इस बात पर जोर देते हैं कि आधुनिक समय में, आप कोचिंग के साथ यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर सकते। इसलिए, हमारी वैयक्तिकृत मेंटरशिप पारंपरिक तरीकों से परे है, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक उम्मीदवार को मार्गदर्शन प्राप्त हो जो उनकी सीखने की शैली, गति और आकांक्षाओं के अनुरूप हो। यह एक वैयक्तिकृत रोडमैप तैयार करने का आधार बनता है जो आपकी आकांक्षाओं के अनुरूप होता है।

आमने-सामने की बातचीत:

हमारे वैयक्तिकृत परामर्श की प्रमुख विशेषताओं में से एक अनुभवी सलाहकारों के साथ सीधा संवाद है, जिन्होंने न केवल यूपीएससी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, बल्कि परीक्षा पैटर्न में उभरते रुझानों की गहरी समझ भी रखते हैं। ये सलाहकार व्यक्तिगत मार्गदर्शक के रूप में कार्य करते हैं, जो उम्मीदवारों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुरूप अंतर्दृष्टि, रणनीति और विशेष-ज्ञ सलाह प्रदान करते हैं। यह प्रत्यक्ष जुड़ाव एक गुरु-शिक्षक संबंध को बढ़ावा देता है जो पारंपरिक कोचिंग से परे है, जिसका लक्ष्य यूपीएससी यात्रा की चुनौतियों के माध्यम से उम्मीदवारों को प्रेरित करना, प्रेरित करना और मार्गदर्शन करना है।

समग्र द्रिष्टिकोण:

इसके अलावा, हमारा कार्यक्रम भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक कल्याण के महत्व को पहचानकर, सलाहकारों के साथ नियमित एक-पर-एक सत्र, स्पष्ट चर्चा, संदेह समाधान और व्यक्तिगत प्रतिक्रिया के लिए अनुकूल वातावरण बनाकर एक समग्र दृष्टिकोण को एकीकृत करता है।

प्रैक्टिस का रोडमैप:

हमारी संयुक्त प्री-टेस्ट श्रृंखला के साथ रणनीतिक रूप से तैयारी करें, जो वास्तविक परीक्षा पैटर्न को प्रतिबिंबित करने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन की गई है। इसके अलावा, दैनिक असीमित मूल्यांकन और रचनात्मक प्रतिक्रिया के साथ अपने मेन्स उत्तर लेखन कौशल को तेज करें, जिससे निरंतर सुधार सुनिश्चित हो सके। दैनिक, साप्ताहिक, मासिक और त्रैमासिक समय सारिणी के साथ व्यवस्थित रहें और अपनी प्रगति को ट्रैक करने और आवश्यक समायोजन करने के लिए नियमित कार्य मूल्यांकन प्राप्त करें। डिजिटल रूप में अपने नोट्स तक पहुंच के साथ पिछले टॉपर्स और प्रसिद्ध संस्थानों की विशेषज्ञता का भी लाभ उठाएं।

डेटाबेस ट्रैकिंग:

हमारे कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताओं में से एक उम्मीदवार की दैनिक दिनचर्या की ट्रैकिंग है, जो दैनिक गतिविधि ट्रैकर (डीएटी) के माध्यम से की जाती है। यह नवोन्वेषी टूल हमें आपकी प्रगति की सावधानीपूर्वक निगरानी करने, सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने और तदनुसार हमारी मेंटरशिप रणनीतियों को परिष्कृत करने की अनुमति देता है। वास्तविक समय की ट्रैकिंग हमें आपकी उभरती जरूरतों के अनुरूप ढलने में सक्षम बनाती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि आप हमेशा सही प्रक्षेप पथ पर हैं।

24X7 कॉल समर्थन:

विषय-विशिष्ट शंकाओं के लिए, हमारे 24x7 मेंटर कॉल सपोर्ट सिस्टम के माध्यम से किसी भी विषय-विशिष्ट शंका पर समय पर सहायता प्राप्त करें। अपनी समग्र तैयारी को बढ़ाने के उद्देश्य से वैयक्तिकृत परामर्श सत्रों के साथ अपने प्रदर्शन को अनुकूलित करें।

आखिरकार, मेंटरशिप इंडिया का "यूपीएससी प्रिपरेशन नेविगेटर" पर्सनलाइज्ड (मल्टी-लेवल) मेंटरशिप प्रोग्राम परीक्षा की तैयारी की जटिलताओं को सुलझाने में आपका समर्पित भागीदार है। हमारा दृष्टिकोण केवल अध्ययन के बारे में नहीं है: यह आपकी मानसिक भलाई सुनिश्चित करने, आपके कौशल को निखारने और आपकी पूरी यात्रा में अटूट समर्थन प्रदान करने के बारे में है।

आपकी सफलता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता पारंपरिक कोचिंग से कहीं आगे है!!

डेली एक्टिविटी ट्रैकर (DAT)

DAT क्या है?

(डेली एक्टिविटी ट्रैकर)

DAT एक अनुकूलित डेटाबेस दृष्टिकोण का प्रतीक है जिसे सीमित समय सीमा के भीतर सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने में **यूपीएससी उम्मीदवारों की सहायता के लिए डिज़ाइन किया गया है।**

अनुशासन

डेली एक्टिविटी ट्रैकर(DAT) यूपीएससी उम्मीदवारों के लिए महत्वपूर्ण है, जो दैनिक गतिविधियों की संरचित योजना और ट्रैकिंग को सक्षम करके अनुशासन को बढ़ावा देता है। यह जवाबदेही की भावना पैदा करता है। अध्ययन कार्यक्रम और रणनीतिक उत्पादकता का पालन सुनिश्चित करना। DAT उम्मीदवारों को अनुशासित आदतें विकसित करने का अधिकार देता है, जो प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में सफलता का एक प्रमुख निर्धारक है।

स्वयं ट्रैकिंग

स्व-ट्रैकिंग के माध्यम से UPSC उम्मीदवारों की रणनीतियों के लिए DAT आवश्यक है। यह निरंतर आत्म-मूल्यांकन, अध्ययन पैटर्न में ताकत और कमजोरियों की पहचान करने की सुविधा प्रदान करता है। DAT उम्मीदवारों को व्यक्तिगत अंतर्दृष्टि के आधार पर रणनीतियों को परिष्कृत करने, अनुकूली और प्रभावी तैयारी सुनिश्चित करने का अधिकार देता है, जिससे अंततः यूपीएससी परीक्षाओं में प्रतिस्पर्धा में बढ़त मिलती है।

उत्पादकता

DAT UPSC उम्मीदवारों की उत्पादकता के लिए महत्वपूर्ण है, जो कार्य प्रबंधन के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण प्रदान करता है। यह समय के उपयोग को अनुकूलित करता है, स्पष्ट अध्ययन लक्ष्य निर्धारित करता है और वास्तविक समय में प्रगति की निगरानी प्रदान करता है। DAT कुशल अध्ययन आदतों को बढ़ावा देकर उत्पादकता बढ़ाता है, यह सुनिश्चित करता है कि उम्मीदवार रणनीतिक और सफल परीक्षा तैयारी के लिए अपने प्रयासों को अधिकतम करें।

डेली एक्टिविटी ट्रैकर

चौबीसों घंटे (24x7) हमारे UPSC उम्मीदवारों की निरंतर और व्यापक निगरानी सुनिश्चित करता है।

इस प्रयास और अभ्यास के माध्यम से हम सटीक रूप से ऐसा कर सकते हैं। अपनी कुल उत्पादकता पर नज़र रखें जिसमें आपकी सब्जेक्टिव ट्रैकिंग, भावनात्मक ट्रैकिंग और कुछ भी अतिरिक्त शामिल है जो इस परीक्षा को पास करने के आपके लक्ष्य से आपको विचलित कर सकता है।

इसमें वास्तविक समय, डेटाबेस की निगरानी और मार्गदर्शन शामिल है जो आपकी संपूर्ण यूपीएससी तैयारी की व्यापक निगरानी करता है।

अभ्यर्थी के मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा करना

समय का प्रभावी उपयोग

आकांक्षी के अध्ययन पैटर्न पर नज़र रखना

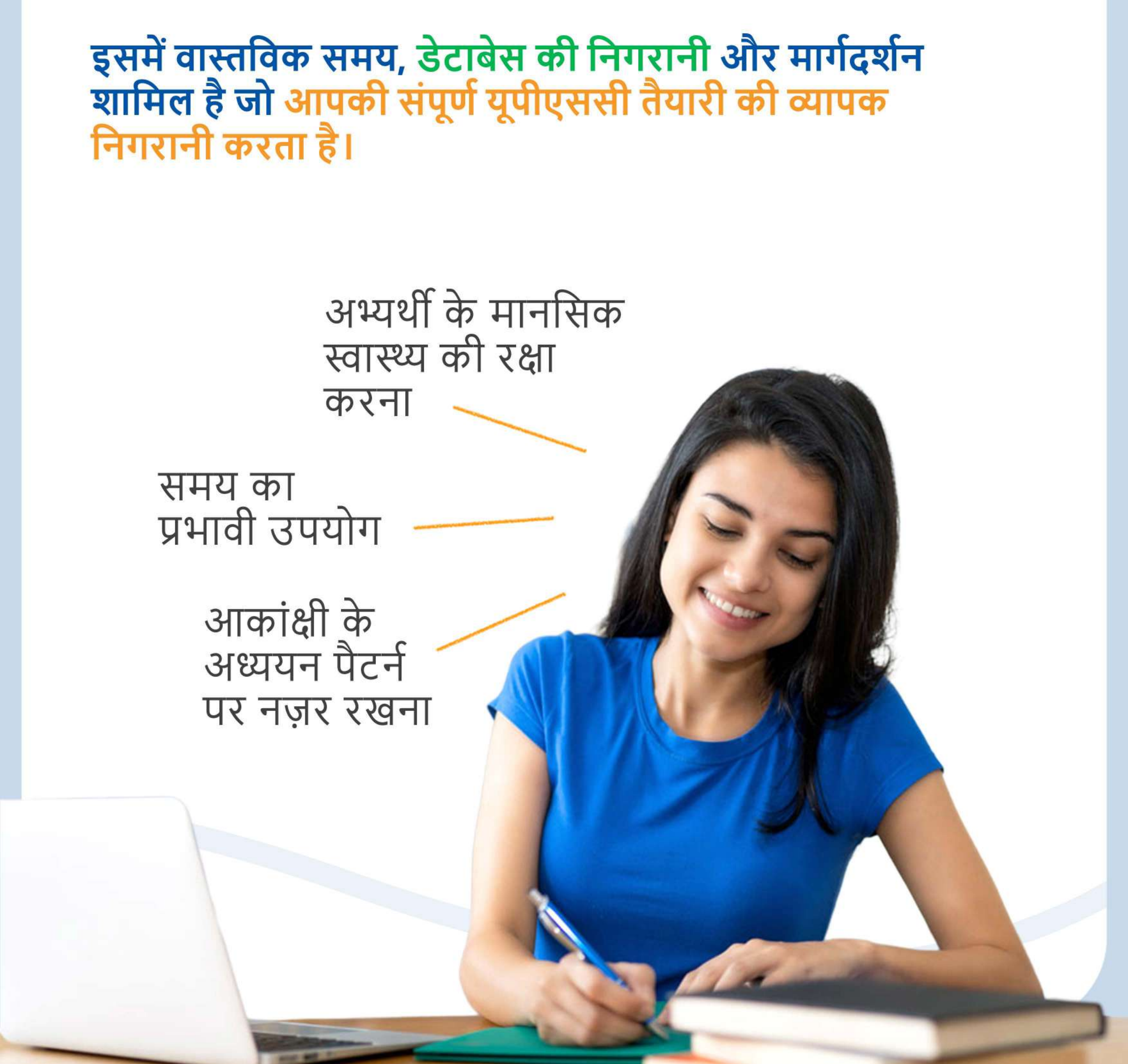

समस्या

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में सबसे बड़ी समस्या है| भारतीय शिक्षा प्रणाली, विशेष रूप से यूपीएससी उम्मीदवारों के लिए, उन्हें अखिल भारतीय टॉपर्स, अखिल भारतीय औसत और अन्य उम्मीदवारों की तुलना में उनकी समग्र उत्पादकता का गहराई से विश्लेषण और भविष्यवाणी करने के लिए **उचित डेटाबेस बैंक की सहायता या प्रदान नहीं की जा रही है।**

एक संगठन के रूप में, **MENTORSHIP INDIA** इस **महत्वपूर्ण चुनौती** को हल करने में व्यापक मानव प्रयास में समर्पित है।

मुख्य समस्याएं

जिनका सामना यूपीएससी अभ्यर्थियों को करना पड़ता है

पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन का अभाव

गहरे विश्लेषण के लिए डेटाबेस का अभाव

अत्यधिक **अध्ययन सामग्री**

स्वयं की भलाई की उपेक्षा करना

संस्थान व्यक्तिगत ध्यान को नजरअंदाजकरते हैं

उपलब्धियां

डेली एक्टिविटी ट्रैकर का उपयोग करके, हमने अपने नामांकित UPSC उम्मीदवारों की उत्पादकता को सफलतापूर्वक बढ़ाया है। यहां उनकी कुछ समीक्षाएं दी गई हैं:

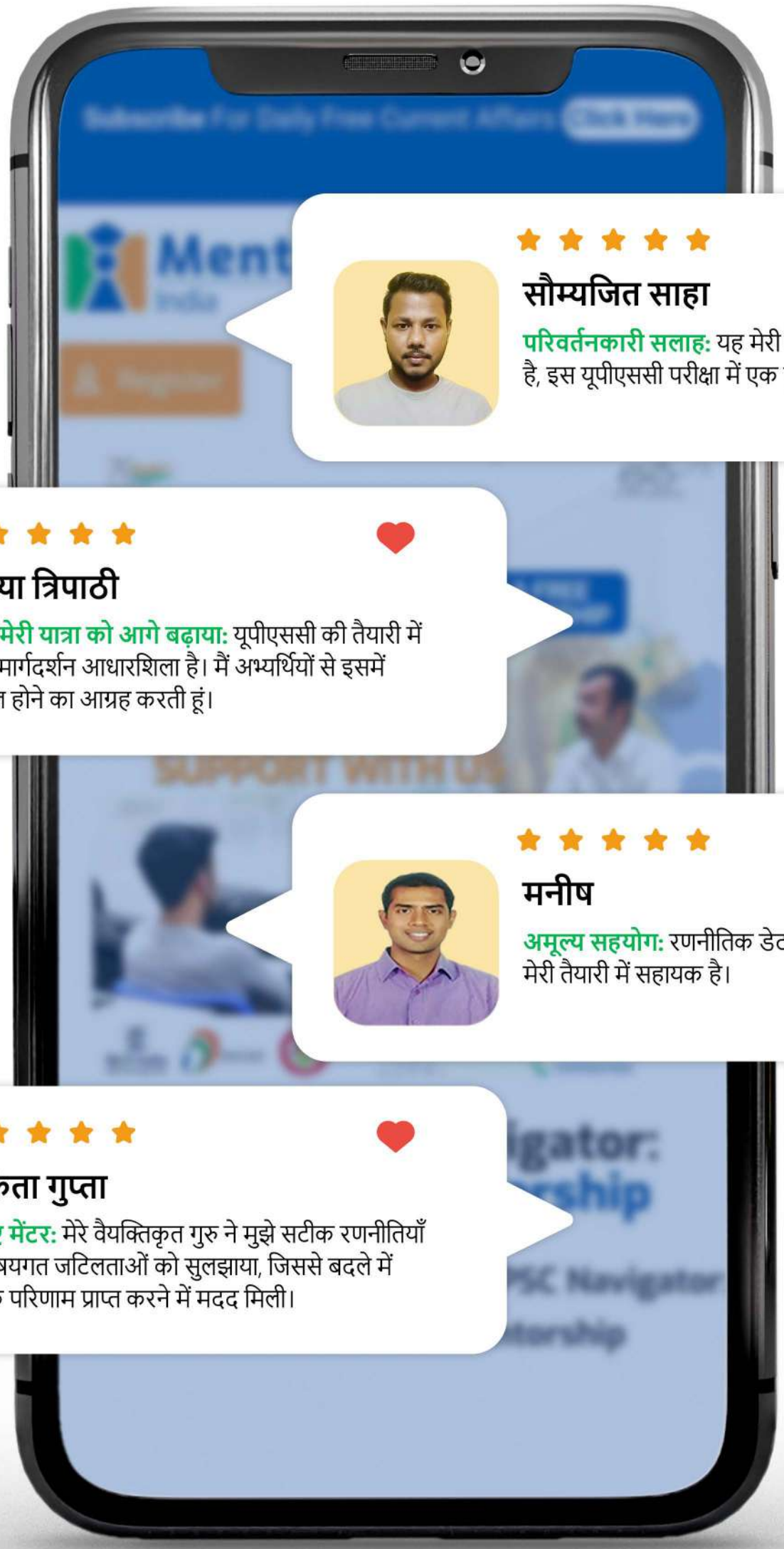

सौम्यजित साहा

परिवर्तनकारी सलाह: यह मेरी तैयारी का एक अभिन्न अंग है, इस यूपीएससी परीक्षा में एक पुनर्कल्पित यात्रा है।

काव्या त्रिपाठी

इसने मेरी यात्रा को आगे बढ़ाया: यूपीएससी की तैयारी में समग्र मार्गदर्शन आधारशिला है। मैं अभ्यर्थियों से इसमें शामिल होने का आग्रह करती हूं।

मनीष

अमूल्य सहयोग: रणनीतिक डेटाबेस, दैनिक गतिविधि ट्रैकर मेरी तैयारी में सहायक है।

निकिता गुप्ता

उत्कृष्ट मेंटर: मेरे वैयक्तिकृत गुरु ने मुझे सटीक रणनीतियाँ दीं, विषयगत जटिलताओं को सुलझाया, जिससे बदले में अधिक परिणाम प्राप्त करने में मदद मिली।

15 दिनों के लिए अभ्यर्थी की प्रदर्शन रिपोर्ट

मेंटरशिप इंडिया हर 15 दिन में **बूस्ट-अप सत्र** आयोजित करता है, जिसमें **यूपीएससी** विशेषज्ञ, डेटा वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक शामिल होते हैं। इन सत्रों का उद्देश्य **एस्पिरैंट पर्फोर्मस रिपोर्ट (APR)** प्रदर्शित करना है।यह न केवल कमजोरियों को इंगित करता है बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि वे हर पहलू में सही रास्ते पर रहें। यह उनकी **यूपीएससी** यात्रा में उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद करने के लिए व्यापक सहायता प्रदान करने का हमारा तरीका है।

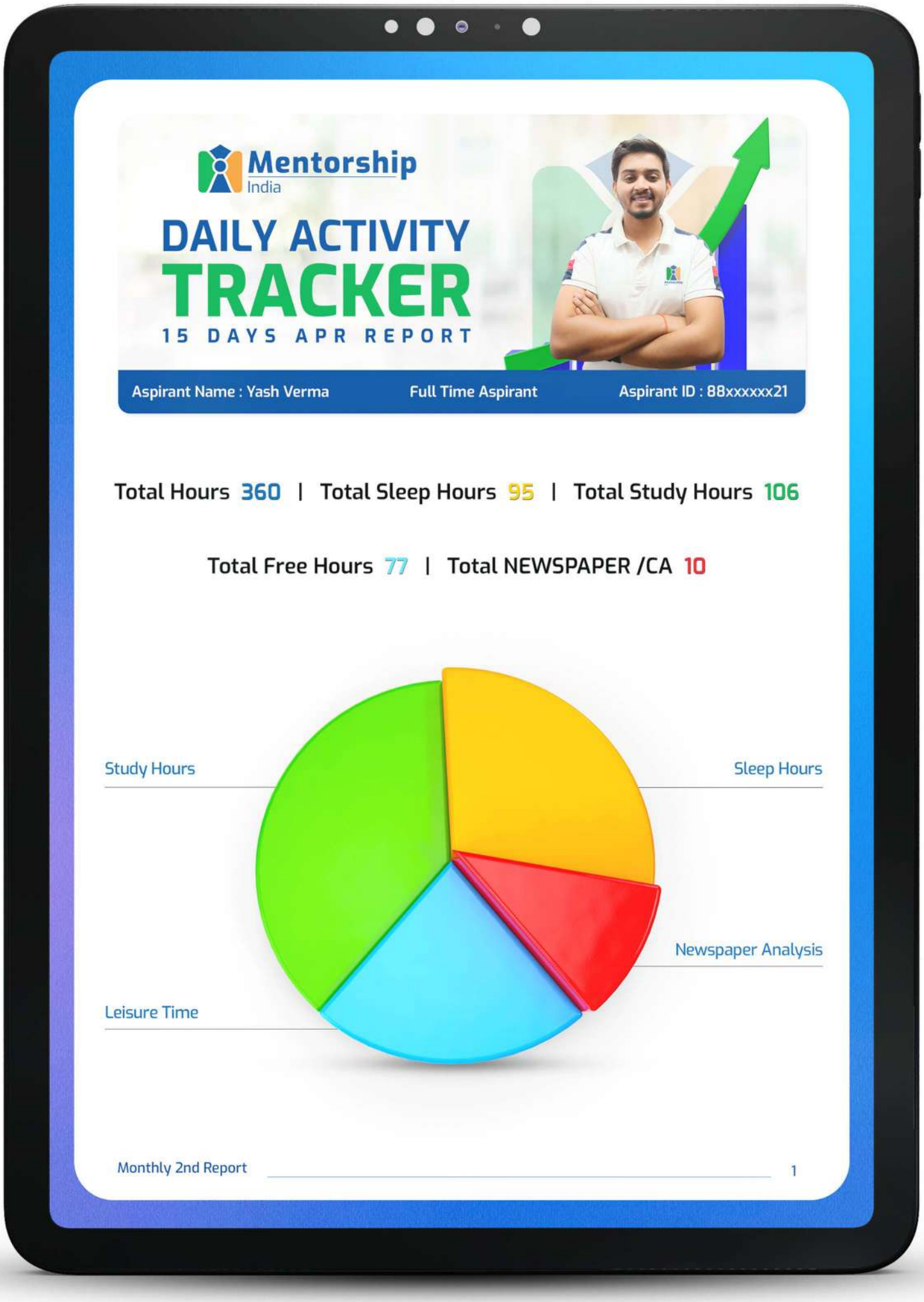

विशेषज्ञ की राय

मेंटरशिप इंडिया में, हम प्रत्यक्ष अनुभवों की शक्ति में विश्वास करते हैं; ये प्रशंसापत्र प्रामाणिक आख्यानों के रूप में काम करते हैं, जो महत्वाकांक्षी सिविल सेवकों की यात्रा को आकार देने में कार्यक्रम की प्रभावशीलता पर प्रकाश डालते हैं। हमारे **मेंटरशिप प्रोग्राम पर ये विचार व्यक्तिगत मार्गदर्शन, रणनीतिक प्रतिभा, उम्मीदवारों के डेटाबेस ट्रैकिंग और परिवर्तनकारी मेंटरशिप पर स्पष्ट दृष्टिकोण प्रदान करते हैं** जो हमारी पहल को अद्वितीय बनाते हैं। जैसे ही आप इन प्रामाणिक खातों के माध्यम से नेविगेट करते हैं, आपको राष्ट्र के भावी अधिकारियों को आकार देने में हमने जो वास्तविक प्रतिबद्धता हासिल की है, उसका पता चलेगा।

स्नेहिल त्रिपाठी

(पूर्व निदेशक, Unacademy; मैकग्राहिल और यूपीएससी के लिए ऑक्सफोर्ड लेखक)

यूपीएससी की तैयारी में एक आधारशिला -

अपरिहार्य अंतर्दृष्टि प्रदान की गई मेंटरशिप इंडिया यूपीएससी उम्मीदवारों की विविध आवश्यकताओं को स्वीकार करते हुए, व्यक्तिगत मार्गदर्शन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए खड़ा है। दैनिक गतिविधि ट्रैकर और एस्पिरेंट प्रदर्शन रिपोर्ट उम्मीदवार को हर 15 दिनों में अपनी प्रगति की जांच करने में मदद करती है, जिससे तैयारी में तेजी आती है।

डॉ. अनूप कुमार आत्रिया

(पीएचडी अर्थशास्त्र, 8+ पुस्तकों के लेखक, सहायक प्रोफेसर, जीसीए, राजस्थान)

अमूल्य कार्यक्रम, यूपीएससी उम्मीदवारों के मानसिक स्वास्थ्य को भी समृद्ध करता है:

समर्थन से परे, मेंटरशिप इंडिया यूपीएससी यात्रा के भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक पहलुओं के प्रबंधन में सहायता प्रदान करके एक सहायक हाथ बढ़ाता है। इस समग्र दृष्टिकोण का उद्देश्य एक ऐसा पोषणकारी वातावरण तैयार करना है जहां अभ्यर्थी न केवल बौद्धिक रूप से सशक्त महसूस करें बल्कि भावनात्मक रूप से भी लचीला महसूस करें।

शालिनी जागृति (बीपीएससी रैंक 67)

असाधारण परामर्श, भविष्य का मार्गदर्शन, विशेषज्ञता और मानसिक स्वास्थ्य देखभाल वाले सिविल सेवक:

भावी सिविल सेवकों को मार्गदर्शन प्रदान करने में मेंटरशिप इंडिया को उत्कृष्टता प्राप्त है। उनके गुरु विषयगत और वैचारिक ज्ञान में उनकी विशेषज्ञता के लिए पहचाने जाते हैं; इसके अलावा, उम्मीदवारों का मार्गदर्शन करने के लिए वे जो व्यक्तिगत देखभाल प्रदान करते हैं वह अपरिहार्य है।

MENTORSHIP INDIA
मुफ्त में क्या दे रहा है!

अपनी क्षमता को उजागर करें: अपनी यूपीएससी यात्रा को निःशुल्क बढ़ाएं!

यूपीएससी योद्धाओं ध्यान दें! हम अपने दो अद्वितीय बोनस लाभों के साथ सफलता की ओर बढ़ रहे हैं:

दैनिक करेंट अफेयर्स:

हमारे ज्ञान के उपहार के साथ दौड़ में आगे रहें! यूपीएससी में सफलता पाने के लिए आपका गुप्त हथियार - प्रतिदिन सीधे आपके इनबॉक्स में भेजा जाता है। बस तैयार मत रहो; अपने समय से दो कदम आगे रहें!

मानसिक स्वास्थ्य सत्र:

क्योंकि एक स्वस्थ दिमाग ही आपका अंतिम अध्ययन भागीदार है! यूपीएससी यात्रा के लिए तैयार किए गए हमारे विशेष मानसिक स्वास्थ्य सत्रों के साथ अपनी प्रतिभा की पूरी क्षमता का उपयोग करें।

तनाव कम करें, अधिक हासिल करें...

कैसे मेंटरशिप इंडिया डेली करंट अफेयर्स दूसरों के डेली करंट अफेयर्स अफेयर्स से कहीं बेहतर और अलग है।

अन्य समसामयिक मामले

- ग्राफ़िक डिज़ाइनर या सामान्य कर्मचारी
- एक सामान्य सेवा प्रदाता से आउटसोर्सिंग
- यादृच्छिक एवं अस्पष्ट प्रस्तुति
- असंवर्धित सामग्री

MI करेंट अफेयर्स

- 5+ समाचार पत्रों से प्रासंगिक डेटा।
- दैनिक और मासिक करंट अफेयर्स के लिए सामग्री एकत्र करने के लिए मुख्य योग्य विशेषज्ञ टीम।
- इन-हाउस अनुसंधान एवं जांच टीम।
- उच्च गुणवत्ता प्रस्तुति।
- हाइलाइट किया गया पूर्व और मुख्य कंटेंट।
- प्रतिदिन दैनिक अभ्यास प्रश्न।
- हमारी मासिक पत्रिका में YOJANA और KURUKSHETRA का सार भी शामिल है।

मानसिक स्वास्थ्य क्यों महत्वपूर्ण है?

एक नए छात्र के रूप में यूपीएससी की यात्रा शुरू करना रोमांचकारी और चुनौतीपूर्ण, अनिश्चितताओं और विविध तनाव प्रकरणों से भरा होता है।
फ्रेशर्स को व्यापक पाठ्यक्रम, समय प्रबंधन की पेचीदगियों और मॉक टेस्ट के दबाव से जूझना पड़ता है, जो अनोखी चिंताओं को जन्म देता है।भूलने का डर, ऑनलाइन प्रारूप को अपनाना और साथियों की तुलना से जटिलताएँ बढ़ती हैं। प्रेरणा का प्रबंधन और उपरोक्त समस्याओं के साथ अध्ययन को संतुलित करना इस गतिशील तैयारी में महत्वपूर्ण हो जाता है।

UPSC उम्मीदवारों के लिए मानसिक कल्याण में चुनौतियाँ:

सिलेबस ओवरव्हेलम सिंड्रोम:

यूपीएससी सिलेबस की भारी मात्रा से परेशान होकर, अभ्यर्थी हर विषय को व्यापक रूप से कवर करने की चिंता करते हैं और फिर लगातार असफल होते हैं।

नींद के शेड्यूल की दुविधा:

व्यापक अध्ययन घंटों और स्वस्थ नींद के शेड्यूल को बनाए रखने के बीच, अभ्यर्थी सही संतुलन पाने के बारे में चिंता करते हैं और फिर अनिद्रा का शिकार हो जाते हैं।

सहकर्मी दबाव:

खुद की तुलना उच्च प्रदर्शन करने वाले उम्मीदवारों से करने पर, एक उम्मीदवार दूसरों की उपलब्धियों को मापने की निरंतर आवश्यकता से तनाव का अनुभव करता है। लेकिन उसे रोजाना दूसरों से नहीं, बल्कि खुद से प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है।

मोटिवेशनल बर्नआउट:

लगातार प्रेरक सामग्री के उपभोग से बर्नआउट का अनुभव करते हुए, उम्मीदवारों को लगातार प्रेरणा लेने का तनाव महसूस होता है। वे प्रेरणा और अनुशासन के बीच के अंतर को नहीं समझते हैं।

जनता की राय की चिंता:

सामाजिक अपेक्षाओं और विचारों के बारे में चिंतित "लोग क्या हैं"? आकांक्षियों को सफलता के बाहरी मानकों पर खरा उतरने का दबाव महसूस होता है।

मॉक टेस्ट की चिंता:

मॉक टेस्ट के परिणामों से डरकर, उम्मीदवारों को मॉक टेस्ट के दौरान अत्यधिक तनाव का अनुभव होता है, वे वास्तविक परीक्षा में अपने प्रदर्शन को लेकर चिंतित रहते हैं, जिसके परिणामस्वरूप उनकी चिंता का स्तर बढ़ जाता है।

रिवीजन टाइम क्रंचर:

कई विषयों को कई बार रिवीजन करने की आवश्यकता महसूस होने पर, अभ्यर्थी आवश्यक विवरण भूल जाने और पूरी तरह से रिवीजन के लिए पर्याप्त समय नहीं होने की चिंता करते हैं।

भूलने का डर:

तथ्यों को भूलने से चिंतित उम्मीदवारों को परीक्षा हॉल में याददाश्त में कमी के परिणामों के बारे में चिंता का सामना करना पड़ता है।

मेंटरशिप इंडिया का मुफ़्त मानसिक स्वास्थ्य सत्र आपको उपरोक्त मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में कैसे सहायता करता है?

APR रिपोर्ट के माध्यम से ट्रैकिंग: मेंटरशिप इंडिया के डेटा वैज्ञानिकों की टीम सक्रिय रूप से प्रत्येक उम्मीदवार से अलग से वास्तविक समय डेटा एकत्र और ट्रैक करती है। प्रत्येक 15 दिनों में, हमारे डेटा वैज्ञानिक एस्पिरेंट परफॉर्मेंस रिपोर्ट (APR) के माध्यम से एस्पिरेंट की भावनात्मक और मानसिक स्थिति को उजागर करते हैं।

Boost Up Sessions: मेंटरशिप विभाग के विशेषज्ञ APR रिपोर्ट की समीक्षा करते हैं और हर 15 दिनों में बूस्ट अप सत्र आयोजित करते हैं। इन सत्रों के दौरान, हमारे विशेषज्ञ APR डेटा का उपयोग करके प्रत्येक उम्मीदवार की व्यक्तिपरक, मानसिक और भावनात्मक समस्याओं की पहचान करते हैं और तदनुसार सहायता प्रदान करते हैं।

सिविल सेवा
एप्टीट्यूड टेस्ट (CSAT)
प्रारंभिक पेपर - 2

UPSC परीक्षा में CSAT का महत्व।

CSAT को 2011 में यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा के रूप में दूसरे पेपर के रूप में शुरू किया गया था। हालांकि, यह पेपर हर वर्ष चुनौतीपूर्ण हो रहा है।

योग्यता की प्रकृति: CSAT CSAT पेपर प्रकृति में क्वालीफाइंग पेपर है, जिसका अर्थ है कि उम्मीदवारों को सामान्य अध्ययन पेपर के मूल्यांकन के लिए पात्र होने के लिए न्यूनतम योग्यता अंक 33% सुरक्षित करने की आवश्यकता है। यह सुनिश्चित करता है कि उम्मीदवारों के पास एक निश्चित स्तर की योग्यता और तर्क क्षमता है।

योग्यता और विश्लेषणात्मक कौशल का परीक्षण: CSAT को उम्मीदवार की योग्यता और विश्लेषणात्मक कौशल का आकलन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें समझ, तार्किक तर्क, विश्लेषणात्मक क्षमता, डेटा व्याख्या और निर्णय लेने पर प्रश्न शामिल हैं। सिविल सेवक बनने के इच्छुक व्यक्तियों के लिए ये कौशल महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

संचार कौशल पर ध्यान: CSAT में अंग्रेजी भाषा की समझ और संचार कौशल पर एक अनुभाग शामिल है। सिविल सेवकों के लिए अच्छे संचार कौशल आवश्यक हैं क्योंकि उन्हें रिपोर्ट लिखने, नीतियों को संप्रेषित करने और विभिन्न प्रकार के लोगों के साथ बातचीत करने की आवश्यकता होती है।

निर्णय लेना: अधिकांश योग्यता परीक्षणों में, सभी प्रश्नों का प्रयास करना आवश्यक नहीं है। इसलिए, उम्मीदवार के लिए प्रभावी ढंग से प्राथमिकता देना और इस संबंध में ठोस निर्णय लेना महत्वपूर्ण है कि कौन से प्रश्न हल करने हैं और कौन से छोड़ने हैं।

दबाव में काम करने की क्षमता: कोई भी अभ्यास या अनुकरण एक चुनौतीपूर्ण योग्यता परीक्षा के दौरान उम्मीदवार को तनाव से पूरी तरह से अवगत नहीं करा सकता है। यह एक ऐसा अनुभव है जिसे केवल जीया जा सकता है और पर्याप्त रूप से समझाया नहीं जा सकता।

समय प्रबंधन: यह कहने की जरूरत नहीं है कि समय प्रबंधन महत्वपूर्ण है, जहां उम्मीदवार की बुद्धि के अलावा सबसे कीमती संसाधन समय है। इसलिए, उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उम्मीदवार कट-ऑफ को पार कर जाए और अपनी कमजोरी वाले क्षेत्रों पर काम करके अपने स्कोर को अधिकतम कर ले।

अनुकूलन: कोई भी उम्मीदवार अतिमानव नहीं है। प्रत्येक छात्र की अपनी ताकत और कमजोरियां होती हैं। विद्यार्थी के लिए यह महसूस करना महत्वपूर्ण है ताकि उसकी अपेक्षाएँ साकार सीमा के भीतर आँकी जा सकें।

मेंटरशिप इंडिया CSAT की तैयारी के लिए व्यक्तिगत मेंटरशिप की पेशकश कर रहा है |

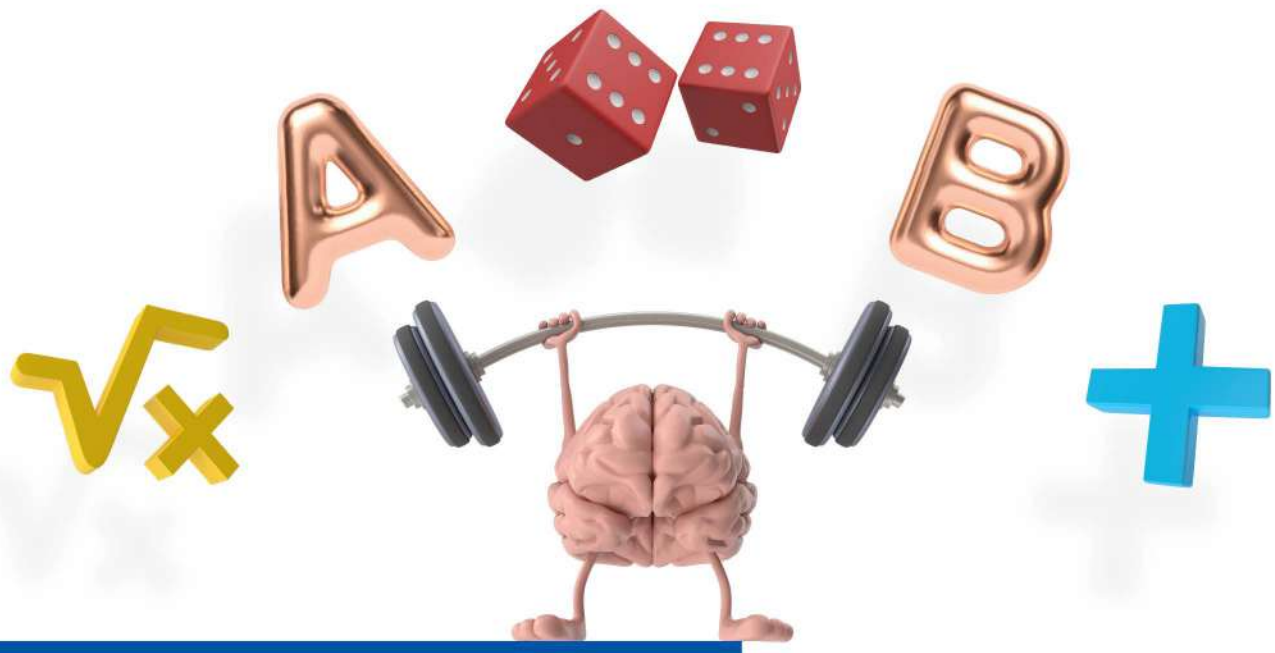

मेंटरशपि इंडयिा

- 1. वैयक्तिकृत पाठ्यक्रम
- 2. CSAT के लिए व्यक्तिगत सलाहकार
- 3. व्यावहारिक दृष्टिकोण
- 4. CSAT के लिए डेटाबेस मॉनिटरिंग
- 5. अनुभवी यूपीएससी विशेषज्ञों द्वारा डिजाइन की गई विशेष अध्ययन सामग्री।

अन्य कोचिंग

- 1. सामान्य CSAT कक्षाएं
- 2. कोई व्यावसायिक दृष्टिकोण नहीं
- 3. कोई व्यक्तिगत दृष्टिकोण नहीं
- 4. अनियमित संसाधन

प्रिलिमिनरी टेस्ट सीरीज

(प्रश्नों के भीतर पठन)

UPSC मुख्य परीक्षा उत्तर लेखन को बेहतर बनाना

टेस्ट सीरीज

प्रश्नों के भीतर पठन !

क) प्री: → जीएस
→ सीएसएटी

परीक्षा पैटर्न को समझना: मेंटरशिप इंडिया की टेस्ट सीरीज़ परीक्षा के विशिष्ट पैटर्न और संरचनाओं के साथ संरेखित करने के लिए तैयार की गई है। लगातार इन परीक्षाओं को देने से, उम्मीदवार पूछे गए प्रश्नों के प्रकार, अंकों के वितरण और परीक्षा के समग्र प्रारूप से परिचित हो जाते हैं।

उच्च-भार वाले क्षेत्रों की पहचान: हमारी परीक्षण श्रृंखला के माध्यम से, उम्मीदवार उन विषयों और विषयों की पहचान कर सकते हैं जो अंकों के संदर्भ में अधिक महत्व रखते हैं। तैयारी के दौरान इन उच्च स्कोरिंग क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने से अध्ययन समय का अधिक कुशल लागत-लाभ विश्लेषण हो सकता है।

प्रत्येक खंड के लिए समय प्रबंधन: हमारी टेस्ट सीरीज उम्मीदवारों को प्रत्येक खंड के लिए अपने समय प्रबंधन कौशल को बेहतर बनाने में मदद करती है, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे बुद्धिमानी से समय आवंटित कर सकते हैं और निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी प्रश्नों का उत्तर दे सकते हैं।

बेंचमार्किंग प्रदर्शन: हमारी टेस्ट सीरीज एक बेंचमार्क प्रदान करती है जिसके आधार पर उम्मीदवार अपने प्रदर्शन को माप सकते हैं। यह बेंचमार्किंग प्रगति पर नज़र रखने, यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करने और वास्तविक प्रारंभिक परीक्षा में उच्च अंक प्राप्त करने के लिए अध्ययन रणनीतियों को समायोजित करने के लिए मूल्यवान है।

प्रीलिम्स या मेन्स परीक्षा में उच्च स्कोर करने के लिए अधिक से अधिक टेस्ट में स्कोर करने का प्रयास करना सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है, और मेंटरशिप इंडिया की टेस्ट सीरीज़ इसमें उम्मीदवारों की मदद करेगी।

मेंटरशिप इंडिया ने सिर्फ देशभर के **यूपीएससी** उम्मीदवारों के लिए एक श्रेष्ठ टेस्ट सीरीज़ में से एक बनाई है, बल्कि प्रश्नों के असीमित आयामों को अनलॉक करने के लिए अधिक व्यावहारिक दृष्टिकोण के लिए पर्सनल मेंटर भी नियुक्त किया है।

यही कारण है कि हमने **रीयल-टाइम मेंटर** समर्थन के साथ अतिरिक्त व्यक्तिगत नियमित परीक्षण और **व्यापक टेस्ट श्रृंखला विकसित की है।**

नियमित टेस्ट :-

यह आकांक्षी के व्यक्तिगत पाठ्यक्रम के आधार पर **साप्ताहिक, द्विसाप्ताहिक** या **मासिक** आधार पर किया जा सकता है,

- यह संपूर्ण **पाठ्यक्रम** को कवर करता है
- प्रत्येक विषय से **2+ सेक्शनल टेस्ट**
- कुल **40+ टेस्ट (प्रीलिम्स तक)**

सभी परीक्षण मेंटरशिप इंडिया के विशेषज्ञ सलाहकारों की देखरेख में होंगे।

कुल प्रारंभिक परीक्षाएँ:-

- **15+** सेक्शनल (पूर्ण लंबाई) टेस्ट
- **15+** फुल लेंथ टेस्ट (जी.एस. पेपर 1)
- **10+** CSAT टेस्ट

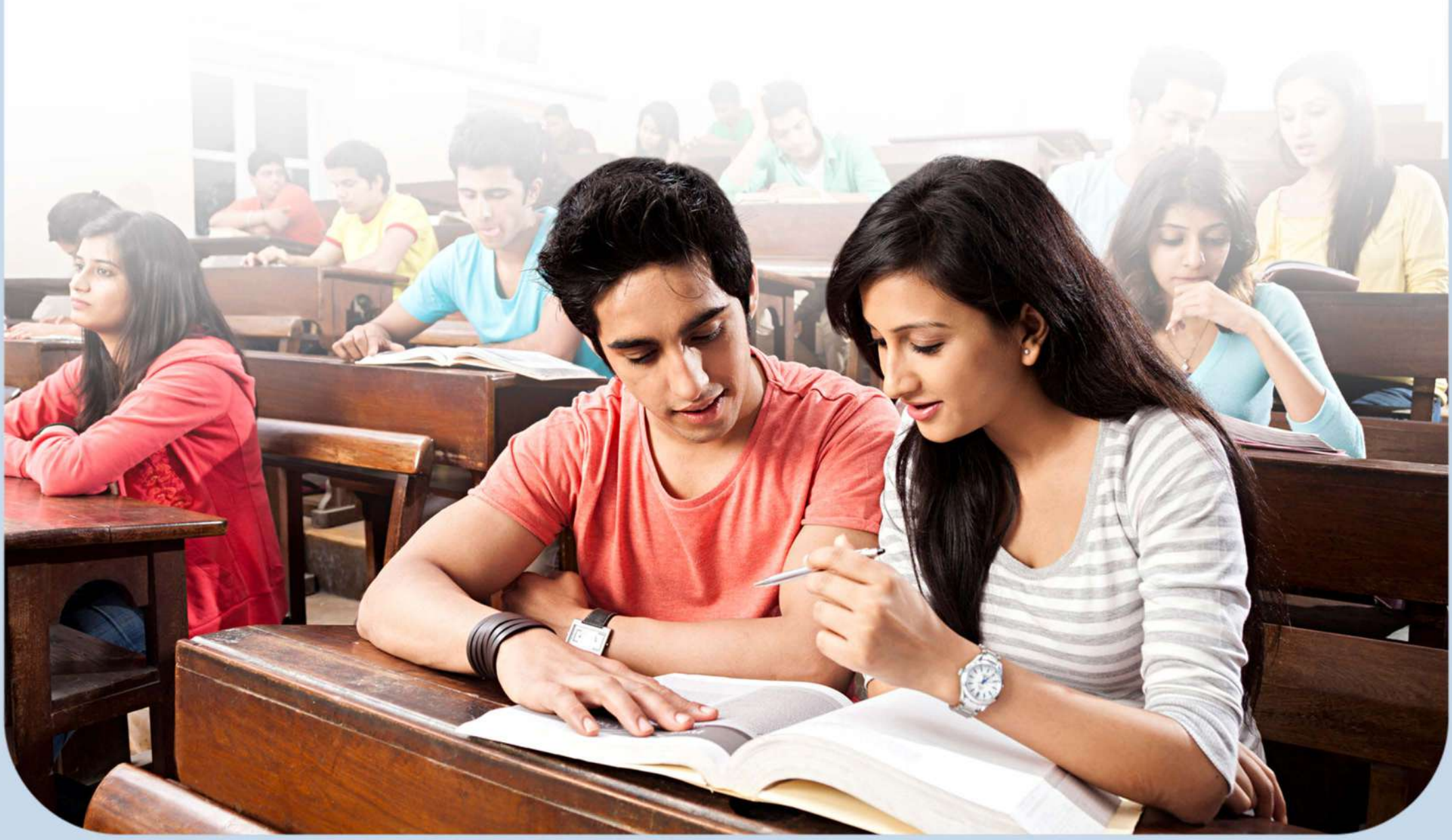

ख) मुख्य परीक्षा में उत्तर लेखन को बढ़ाना

" UPSC मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए दैनिक उत्तर लिखना (कम से कम 200 दिनों के लिए) **एक अनिवार्य कारक है।"**

आइए इस समस्या को गहराई से समझें:

दुविधा

- प्रारंभिक परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले कुल छात्रों की संख्या लगभग **13 लाख** थी
- व्यक्तित्व परीक्षण (साक्षात्कार) के लिए उत्तीर्ण कुल **छात्र 2916** थे।

इसका तात्पर्य यह है कि मुख्य परीक्षा में यूपीएससी उनसे क्या उम्मीद करता है, इसकी उचित समझ की कमी के कारण लगभग 99% उम्मीदवारों को हर साल चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

मुख्य समस्याएं

"आप बिना सोचे पढ़ सकते हैं लेकिन बिना सोचे लिख नहीं सकते"

"सिर्फ 7.20 मिनट में उत्तर लिखने का डर"

संक्षिप्त (टू द प्वाइंट) उत्तर लेखन

मिनटों में प्रतिभा का निर्माण

घड़ी के विपरीत दौड़

प्रति सेकंड एक बहुमूल्य शब्द है

प्रश्नों की मांग को समझना

वो भी शानदार लिखावट में

इसलिए हमें लिखते समय अपनी सोचने की क्षमता को बढ़ाना होगा!

एक संतुलित उत्तर की क्या मांग है?

समय प्रबंधन:

परीक्षा के दौरान अपने समय का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करना सीखें। निर्धारित समय सीमा के भीतर उत्तर लिखने का अभ्यास करें। प्रत्येक प्रश्न के लिए उसके अंकों के आधार पर समय आवंटित करें।

स्पष्टता और परिशुद्धता:

अपने लेखन में स्पष्ट और संक्षिप्त रहें। अनावश्यक विवरण से बचें. प्रश्न का सीधे उत्तर दें और इधर-उधर भटकने से बचें।

माइंड मैप और आरेख:

जहां भी लागू हो, अपनी बातों को स्पष्ट करने के लिए माइंड मैप और आरेख का उपयोग करें। यह दृश्य अपील और स्पष्टता को बढ़ाता है।

प्रासंगिक उदाहरणों का उपयोग करें:

प्रासंगिक उदाहरणों, केस अध्ययन और आंकड़ों के साथ अपने उत्तरों का समर्थन करें। स्थैतिक ज्ञान को करेंट अफेयर्स अनुप्रयोगों से जोड़ें।

भाषा कौशल:

अच्छे भाषा कौशल विकसित करें। स्पष्ट, सुसंगत और व्याकरणिक रूप से सही तरीके से लिखने का अभ्यास करें। शब्दजाल और अत्यधिक जटिल भाषा के प्रयोग से बचें।

उत्तरों संरचित करना:

प्रश्न का संक्षिप्त परिचय देते हुए शुरुआत करें। अपने उत्तरों में संरचित प्रवाह के लिए बुलेट बिंदुओं, उपशीर्षकों और पैराग्राफों का उपयोग करके सामग्री को तार्किक रूप से व्यवस्थित करें।

संतुलित दृष्टिकोण:

अपने उत्तरों में संतुलित दृष्टिकोण प्रस्तुत करें। यदि लागू हो तो किसी मुद्दे पर विभिन्न दृष्टिकोणों को स्वीकार करें। अतिवादी रुख से बचें और एक कूटनीतिक निष्कर्ष प्रदान करें।

उत्तर की लंबाई:

ऐसे उत्तर लिखें जो न तो बहुत छोटे हों और न ही बहुत अधिक लंबे हों। प्रश्न में निर्धारित शब्द सीमा का पालन करें। कंटेंट की गुणवत्ता मात्रा से अधिक महत्वपूर्ण है।

प्रभावी निष्कर्ष:

अपने उत्तर प्रभावी ढंग से समाप्त करें। अपने मुख्य बिंदुओं को सारांशित करें और एक निर्णायक वक्तव्य प्रदान करें। एक मजबूत निष्कर्ष परीक्षक पर स्थायी प्रभाव छोड़ता है।

करेंट अफेयर्स इंटीग्रेशन:

करंट अफेयर्स इंटीग्रेशन, अपने उत्तरों में प्रासंगिक जानकारी पर अपडेट रहें। वर्तमान घटनाओं, सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय, संसद अधिनियम आदि को पाठ्यक्रम में शामिल विषयों से जोड़ें।

जीएस पेपरों के बीच अंतर-संबंध:

यदि हम मुख्य पाठ्यक्रम में दिए गए प्रत्येक पेपर की सामग्री का विश्लेषण करते हैं, तो हम पाएंगे कि प्रत्येक पेपर के विषयों के साथ दूसरे पेपर के अन्य समान विषयों के बीच कुछ निश्चित अंतर-संबंध हैं। यह एक एकीकृत दृष्टिकोण की मांग करता है, इसलिए, आपस में जुड़े मुद्दों/विषयों को संबोधित करने के लिए व्यापक समझ और गहन विश्लेषणात्मक अध्ययन आवश्यक है।

एक संतुलित निबंध की क्या मांग है?

1) परिचय 2) विवरण 3) रुझान विश्लेषण 4) करेंट अफेयर्स लिंकेज 5) मुद्दे को संबोधित करना

6) प्रासंगिक उदाहरणों, अधिनियमों, निर्णयों, केस स्टडीज आदि का उपयोग। 7) गहन समाधान/शोध

8) प्रभावी प्रस्तुति 9) सही भाषा, शब्दों और व्याकरण का प्रयोग 10) एक आशावादी निष्कर्ष

अन्य संस्थानों की तुलना में मेंटरशिप इंडिया इस प्रमुख मुद्दे को कैसे हल कर रहा है

मेंटरशिप इंडिया का मल्टी-लेवल मेंटरिंग प्रोग्राम

आपको 2 चरणों में उत्तर/निबंध लिखने में मदद करेगा:

मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण:

- **यूपीएससी** मेन्स अभ्यर्थी और यूपीएससी के बीच एक **मनोवैज्ञानिक युद्ध है।** इसे पहचानने, विश्लेषण करने और सटीकता के साथ लिखने में **केवल 7.20 मिनट** लगते हैं।

- **मेंटरशिप इंडिया** वर्तमान प्रसंग के आयामों की खोज करने वाले अभ्यर्थियों को **मनोवैज्ञानिक रूप से प्रशिक्षित करेगा** और इसे उत्तरों के साथ जोड़ेगा।

असीमित पेशकश:

- असीमित **दैनिक उत्तर लेखन अभ्यास।**

- हमारे **अनुभवी यूपीएससी मेन्स योग्य सलाहकारों** से असीमित मूल्यांकन।

- उम्मीदवार रोज़ाना 'n' उत्तर लिख सकते हैं और **हमारे गुरु 24 घंटों के भीतर उसका मूल्यांकन करेंगे।**

अन्य कोचिंग की मूल्यांकन प्रणाली

- अन्य लोग केवल बहुत कम समय के लिए सीमित समय की कक्षाएं बेचने की कोशिश कर रहे हैं।
- संकाय से कोई जमीनी समर्थन (मेंटरिंग) नहीं है।
- कोई असीमित उत्तर लेखन विकल्प नहीं।
- उत्तर मूल्यांकन के लिए विलंबित सलाहकार सहायता।

मेंटरशिप इंडिया द्वारा प्रदान की जाने वाली अध्ययन सामग्री

एन सी ई आर टी

2006

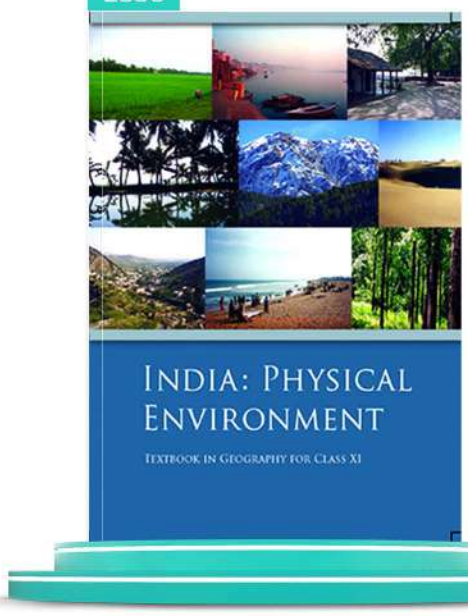

भारत: भौतिक पर्यावरण कक्षा 11

- भारतीय भौतिक भूगोल को समझने के लिए यह एक अनिवार्य एनसीईआरटी है।
- इस पुस्तक को पढ़ने पर, आप जल निकासी प्रणाली, भौतिक विज्ञान, जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति और भारत के स्थानों से संबंधित अवधारणाओं को समझ जाएंगे।

2006

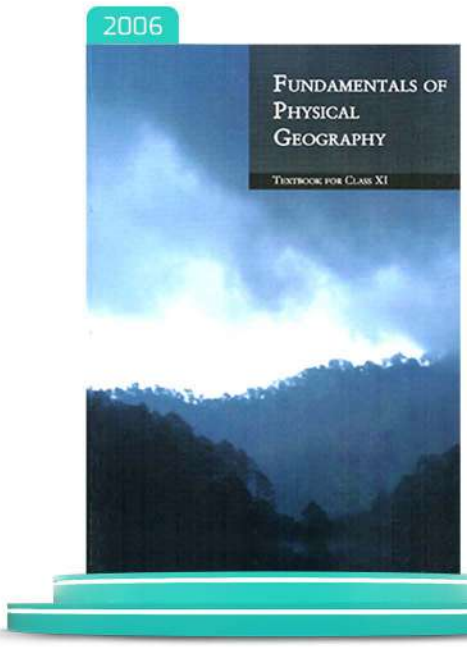

भौतिक भूगोल के मौलिक सिद्धांत कक्षा 11

- यह पुस्तक अभ्यर्थी को विश्व के भौतिक भूगोल को समझने में मदद करती है।
- पृथ्वी के विकास की प्रक्रिया, भू-आकृति विज्ञान। इस पुस्तक में समुद्र विज्ञान, वायुमंडल, विश्व जलवायु, जैव विविधता और स्थलरूपों का विस्तृत वर्णन किया गया है.

2007

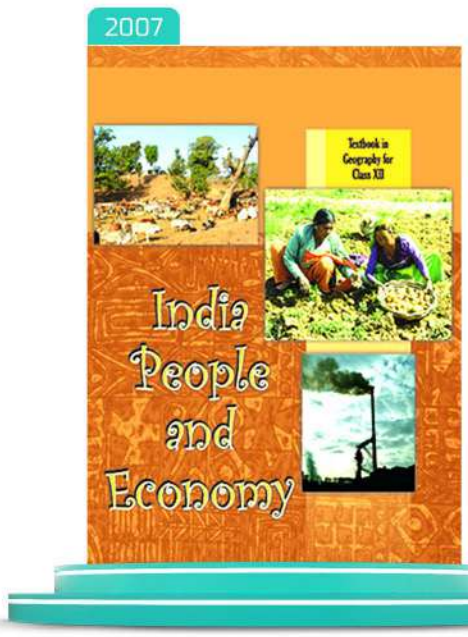

भारत, जन और अर्थव्यवस्था कक्षा 12

- भारतीय आर्थिक गतिविधियों के क्षेत्रों, अर्थात् प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक क्षेत्रों पर भौगोलिक परिप्रेक्ष्य का चित्रण।
- यह पुस्तक जीएस पेपर 1 और 3 के लिए महत्वपूर्ण महत्व रखती है और इस पुस्तक में भू-आकृतियों का विस्तृत वर्णन किया गया है।

2007

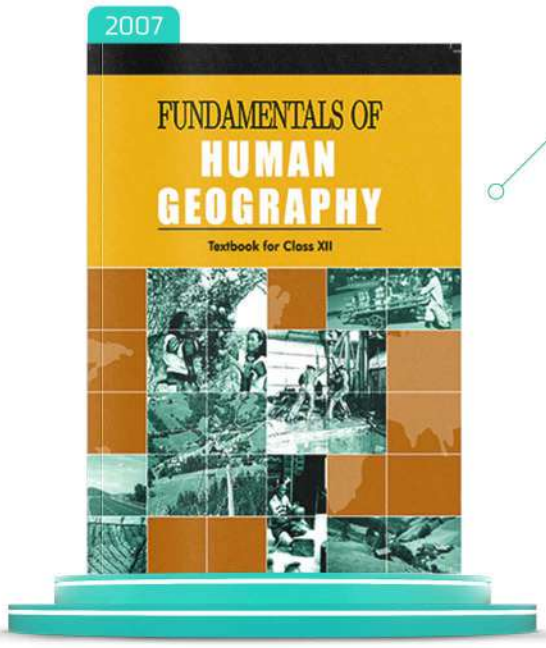

मानव भूगोल के मौलिक सिद्धांत कक्षा 12

- इसी तरह, यह पुस्तक प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक क्षेत्रों पर जोर देते हुए दुनिया भर में आर्थिक गतिविधियों के क्षेत्रों पर एक सामान्य भौगोलिक परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत करती है।
- यह पुस्तक जीएस पेपर 1 और 3 के लिए महत्वपूर्ण महत्व रखती है।

1999

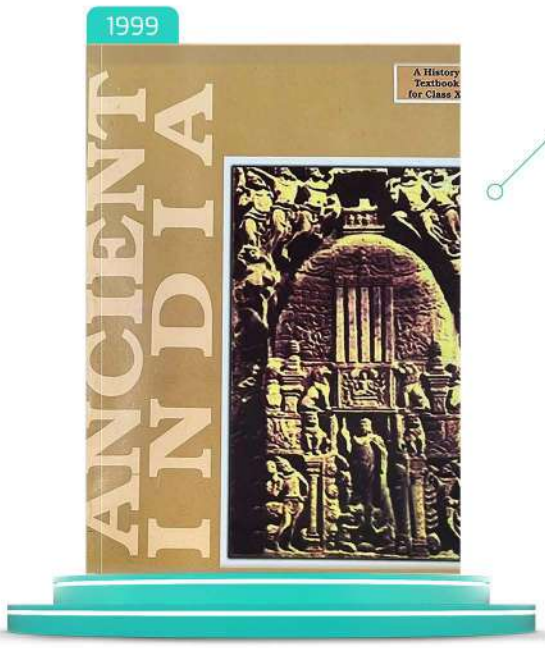

प्राचीन भारत कक्षा 11

- यह पुस्तक प्राचीन भारतीय इतिहास को बुनियादी मौलिक स्तर से उन्नत स्तर तक समझने में सुविधा प्रदान करती है।
- इसमें सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर बौद्ध धर्म और जैन धर्म के आगमन तक की अवधि शामिल है।

1990

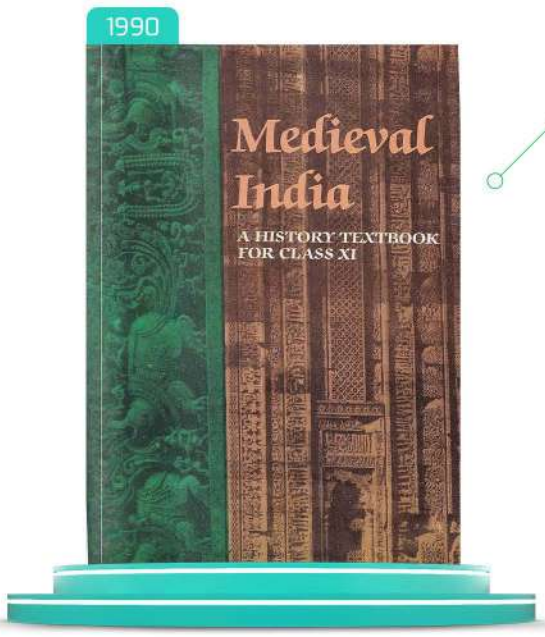

मध्यकालीन भारत कक्षा 11

- यह सुझाव दिया जाता है कि, उम्मीदवारों को इस पुस्तक के अलावा मध्यकालीन इतिहास में किसी अन्य पुस्तक को पढ़ने की आवश्यकता नहीं है।
- यह पुस्तक तीन साम्राज्यों के युग की मूल बातें से लेकर मुगल साम्राज्य के विघटन और यूरोपीय लोगों के आगमन तक शुरू होती है।

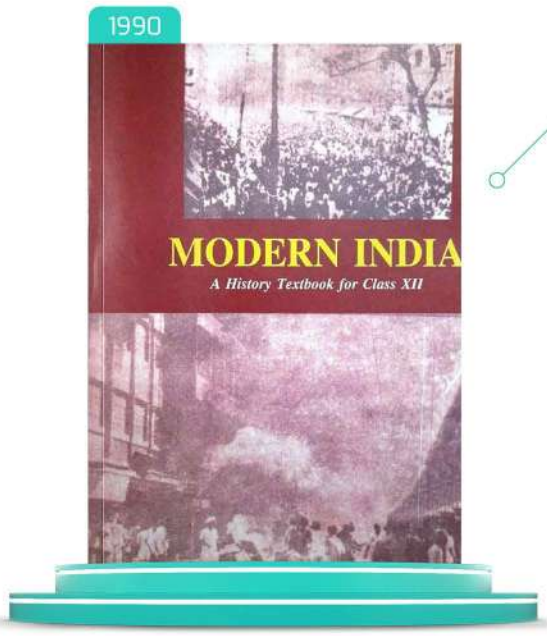

आधुनिक भारत कक्षा 12

- यह पुस्तक यूरोपीय लोगों के प्रवेश से लेकर भारतीय स्वतंत्रता और आधुनिक भारत तक आधुनिक भारतीय इतिहास की बुनियादी समझ में सहायता करती है।
- आधुनिक भारत और भारतीय राष्ट्रवादी आंदोलन की गहरी समझ के लिए, उम्मीदवारों को इस पुस्तक के साथ मेंटरशिप इंडिया की मैगबुक - भारतीय इतिहास पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

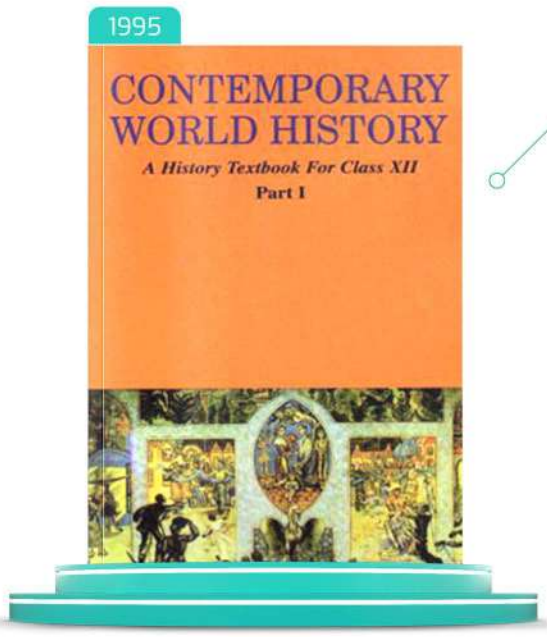

समकालीन विश्व इतिहास कक्षा 12

- यह पुस्तक आधुनिक विश्व व्यवस्था की अवधारणाओं को समझने के लिए महत्वपूर्ण है।
- इस पुस्तक को पढ़ने के बाद, आपको प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध की स्थितियों और 1945 के बाद से विश्व पर नियंत्रण प्राप्त हो जाएगा।

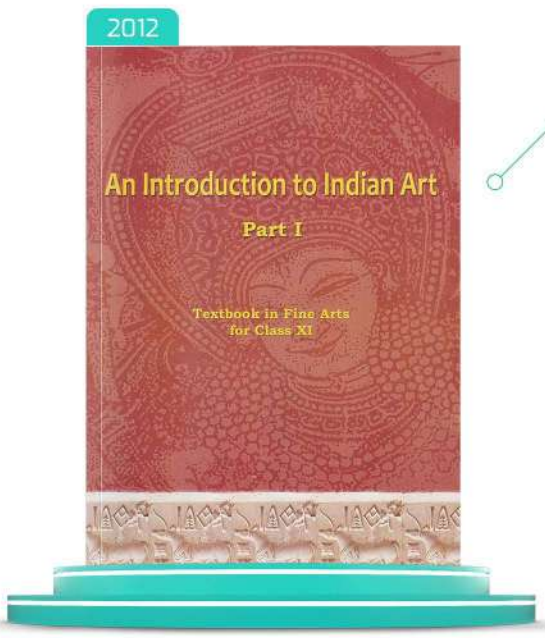

भारतीय कला का परिचय कक्षा 11

- नवीनतम एनसीईआरटी भारतीय इतिहास की कला और संस्कृति पर केंद्रित है।
- इस पुस्तक को पढ़ने के बाद, अभ्यर्थी सिंधु घाटी सभ्यता, मौर्य काल, इंडो-इस्लामिक काल की चित्रकारी, कला के प्रकार को समझ सकेंगे।

हमारा आंतरिक प्रकाशन

मेंटरशिप इंडिया द्वारा इन-हाउस सावधानीपूर्वक तैयार और प्रकाशित की गई ये पुस्तकें, प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा दोनों के लिए आवश्यक बुनियादी स्थैतिक विषयों के भीतर विषय वस्तु के उन्नत विवरणों को समझने में **उम्मीदवारों की सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।**

व्यापक समझ प्रदान करने के लिए तैयार किए गए, ये प्रकाशन रणनीतिक रूप से यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के लिए **आपकी तैयारी की आधारशिला बनने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।**

इस संग्रह की प्रत्येक पुस्तक को उद्देश्यपूर्ण ढंग से विषयों की गहराई और बारीकियों को समझने के लिए तैयार किया गया है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि अभ्यर्थी न केवल मूलभूत अवधारणाओं को समझते हैं बल्कि इस **परीक्षा में सफलता के लिए आवश्यक अग्रिम तत्वों में भी महारत हासिल करते हैं।**

अन्य प्रकाशन की पुस्तकें

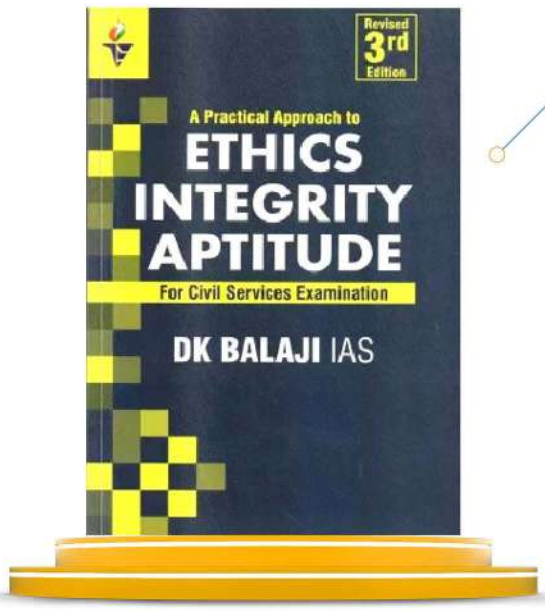

नैतिकता, सत्यनिष्ठा और योग्यता के लिए एक व्यावहारिक दृष्टिकोण

(D. K. Balaji IAS)

- यह जीएस के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए एक बोनस पुस्तक है।
- इस पुस्तक के पूरा होने के बाद आप जीएस पेपर के 4 विषयों अर्थात सत्यनिष्ठा, योग्यता, नैतिकता, केस स्टडीज पर कमांड हासिल कर लेंगे।

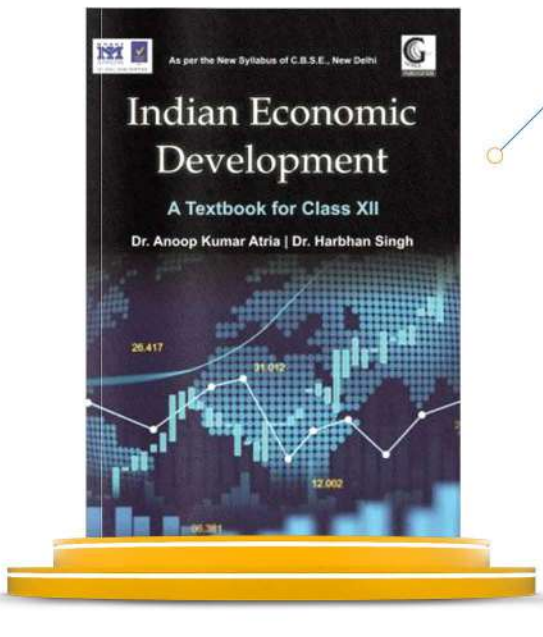

भारतीय आर्थिक विकास

(जीनियस प्रकाशन) डॉ. अनूप अटरिया, डॉ. हरभान सिंह

- यह पुस्तक आधुनिक काल से उत्तर आधुनिक काल से लेकर आज तक भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी समझ में सहायता करती है।
- इस पुस्तक को पढ़ने के बाद, उम्मीदवार भारतीय अर्थव्यवस्था की सभी अवधारणाओं को समझ जाएंगे, जो बदले में, उन्हें भारतीय सरकारी बजट आर्थिक सर्वेक्षण को समझने में मदद करती है।

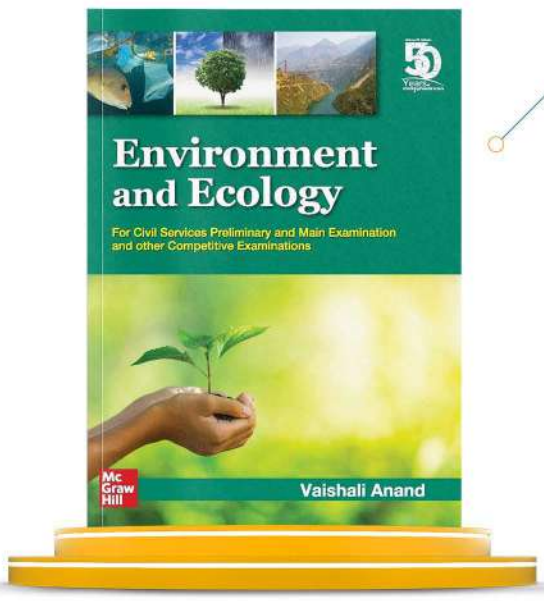

पर्यावरण और पारिस्थितिकी - TMH

Vaishali Aanand

- यह पुस्तक पर्यावरण और पारिस्थितिकी के स्थिर भाग के लिए महत्वपूर्ण है और अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण संगठनों के बुनियादी नियमों और सम्मेलनों के लिए भी उपयोगी है।
- प्रारंभिक परीक्षा में पर्यावरण अध्ययन के प्रश्नों की बढ़ती आवृत्ति को देखते हुए, इस पुस्तक का महत्व स्वतः ही बढ़ रहा है।

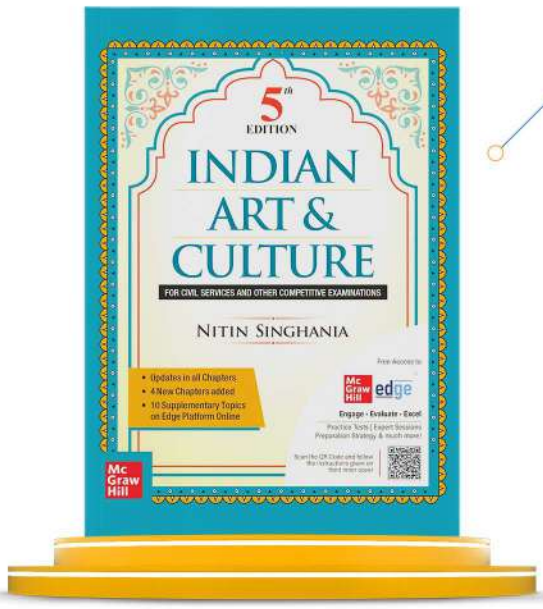

भारतीय कला और सांस्कृतिक - TMH

Nitin Singhania

- यह पश्चिम बंगाल कैडर के एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी की एक प्रतिष्ठित पुस्तक है, जिनके पास भारतीय परिप्रेक्ष्य से कला और संस्कृति का गहरा संरचित ज्ञान है।
- इस पुस्तक को पढ़ने के बाद, आप प्रीलिम्स और मेन्स दोनों में कला और संस्कृति के प्रश्नों में आसानी से उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं।

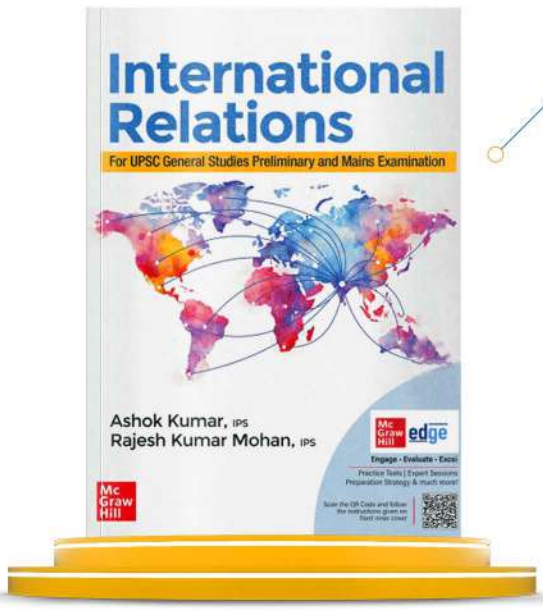

अंतरराष्ट्रीय संबंध - TMH

Ashok Kumar (IPS), Rajesh Kumar Mohan (IPS)

- यह नवीनतम संस्करण उम्मीदवारों को अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और बिम्सटेक, क्वाड, आईपीईएफ, यूएन आदि जैसे लघुपक्षीय संगठनों को समझने में मदद करेगा।
- विषय वस्तु की आरेखीय और सूचना-ग्राफिक प्रस्तुति, जो बदले में आकांक्षी को आईआर को संक्षिप्त रूप में समझने में मदद करती है।

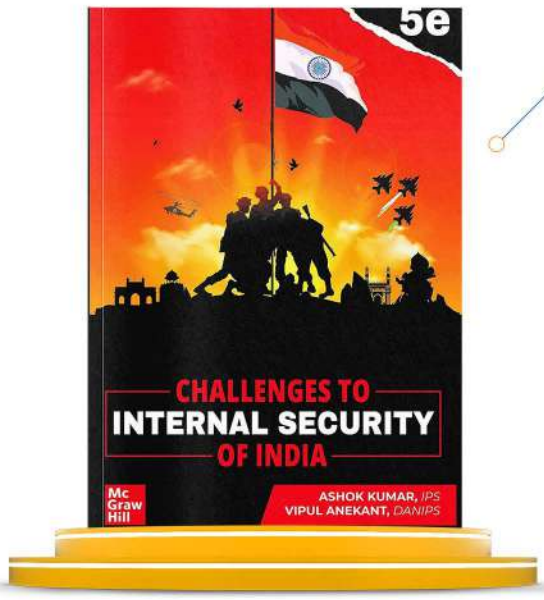

भारत की आंतरिक सुरक्षा के चुनौतियां

TMH Ashok Kumar

- जैसे-जैसे यूपीएससी पाठ्यक्रम और प्रश्न गतिशील होते जा रहे हैं, मेन्स जीएस पेपर 3 में आंतरिक सुरक्षा की भूमिका बढ़ती जा रही है।
- अभ्यर्थी इस पुस्तक से भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए आतंकवाद, नक्सलवाद, उग्रवाद आदि जैसी बुनियादी चुनौतियों के बारे में सीखेंगे।

विस्तृत डिजिटल संसाधन

आपका समर्पित मेंटर आपको नामांकन के बाद भौतिक रूप से प्राप्त होने वाले प्रकाशनों के अलावा, आपकी तैयारी के लिए आवश्यक प्रत्येक पुस्तक के लिए डिजिटल पीडीएफ प्रदान करके भी आपकी सहायता करेगा। आपके पास सुविधाजनक डिजिटल प्रारूप (पीडीएफ) में सभी आवश्यक अतिरिक्त अध्ययन सामग्री और हैंडआउट्स तक पहुंच होगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि आपके पास प्रभावी तैयारी के लिए संसाधनों का एक व्यापक सेट है। इस तरह, हमारा लक्ष्य आपके अध्ययन अनुभव को यथासंभव सुलभ और कुशल बनाना है।

Mentorship India

Skill India
कौशल भारत - कुशल भारत

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

Digital India
Power To Empower

आज ही जुड़ें

+919999057869

contact@mentorshipindia.com

www.mentorshipindia.com

@mentorship.india

A-92, Third Floor, Hari Nagar New Delhi - 110064